Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 248 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 29 जून 2024 | www.samaydarshan.in

सार समाचार

विधानसभा में नीट को खत्म करने के लिए एक बार फिर प्रस्ताव पारित, भाजपा की सहयोगी पीएमके ने किया समर्थन

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने एक बार फिर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राज्य को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा से छूट देने का आग्रह किया। इसके साथ ही प्लस टू परीक्षा के अंकों के आधार पर छात्रों को मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की अनुमति देने की मांग की। भाजपा की सहयोगी पीएमके ने मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का समर्थन किया। सीएम स्टालिन ने सदन में कहा कि यह परीक्षा भेदभावपूर्ण थी। इसमें ग्रामीण और गरीब छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अवसर से वंचित कर दिया गया था।

अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व सीएम एडप्पादी पलानीस्वामी ने द्रमुक पर नीट (हृश्वश्वञ्ज) को खत्म करने के लिए कम प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया, तीसरी बार विधानसभा में प्रस्ताव लाने का क्या मतलब है? अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, यह द्रमुक सरकार का राजनीतिक ड्रामा है। लोग पर ऐसे राजनीतिक हथकंडों पर विश्वास नहीं करते हैं।

विधानसभा में भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन ने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, नीट की जरूरत है।

जलभराव की शिकायत के लिए नंबर जारी

सरकार ने बुलाई आपात बैठक, बनाया जाएगा कंट्रोल रूम

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली को बारिश में डूबने से बचाने के लिए सिविक एजेसियां हर कदम पर नाकाम दिखीं। अभी तक किसी तरह का इमरजेंसी रेसपॉन्स सिस्टम तैयार नहीं हो सका है। नालों से गाद निकालने का काम भी अधूरा है। वहीं, बचाव के लिए बाढ़ नियंत्रण विभाग ने कोई आदेश जारी नहीं किया। इस बेपरवाही का नतीजा शुक्रवार की बारिश में दिल्लीवालों को झेलना पड़ा। यह तथ्य डूबने का बाद दफ्तर में मौजूदा स्थिति का आकलन करने के लिए बैठी सरकारों के सामने आया है। एलजी ने इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए सभी अधिकारियों की छुट्टी रद्द कर दी है। वहीं, छुट्टी पर गए अधिकारी तत्काल प्रभाव से लौटने को कहा है। अगले दो माह तक किसी भी अधिकारी को कोई

छुट्टी नहीं मिलेगी।

वहीं दिल्ली सरकार ने इस पर आपातकालीन बैठक की। बैठक में मंत्री और अधिकारी शामिल हुए। इसके बाद दिल्ली जलभराव से निपटने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। शिकायत के लिए 1800110093 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा जलभराव की शिकायत के लिए 8130188222 नंबर पर व्हाट्सएप कर सकते हैं।

बैठक में कहा गया कि जल्द ही एक कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। सारे अधिकारी कंट्रोल रूम में मौजूद रहेंगे। हर विभाग में क्यूआरटी टीम बनाई जाएगी। ट्रैफिक पुलिस, विधायक-पार्षदों से पानी भरने वालों जगह की लिस्ट मांगी गई है। साथ ही पानी निकालने के लिए लगाए जाने वाले पंपिंग सेट की स्थिति भी बताने को कहा गया है।

इससे पहले मूसलाधार बारिश में दिल्ली के डूबने के बाद आनन-फानन में उपराज्यपाल अपने दफ्तर में आपात बैठक की और बिगड़े हालात संभालने के लिए कार्ययोजना तैयार की। इस दौरान गाद निकालने व जल जमाव को रोकने में नाकामी पर अधिकारियों को फटकार लगाई। उपराज्यपाल ने आगे इस तरह की स्थिति पैदा न होने की अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है। सभी की छुट्टी रद्द करने के साथ दो माह तक कोई भी छुट्टी लेने की बंदिश भी लगा दी है।

एलजी ने आदेश दिया कि 24 घंटे काम करने वाला एक इमरजेंसी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए। सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। लोगों की समस्या को दूर करने के लिए कंट्रोल रूम नंबर जारी किया जाएगा।

पानी निकालने के लिए सभी पंपों का परीक्षण किया जाए। इन्हें जरूरत के आधार पर 24 घंटे सातों दिन इस्तेमाल करने के लिए फील्ड स्टाफ की तैनाती की जाएगी। जरूरत पड़ने पर मोबाइल पंपों का भी उपयोग होगा। निचले इलाकों, विशेष रूप से अनाधिकृत कॉलोनियों और जहां पर जलभराव सबसे अधिक होता है, अंडरपास और सुरंगों में तैनात किया जाना चाहिए। नालों के गाद को निकालने के शेष कार्य को एक सप्ताह में पूरा करने को कहा गया है। साथ ही नालियों के किनारे से मलबा हटाने, खुली नालियों साफ करने को कहा गया है।

ट्रैफिक पुलिस करेगी अपडेट

बैठक में कहा गया कि ट्रैफिक पुलिस जल जमाव के मामले में नियमित रूप से ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करेगी। साथ ही ऐसे जगहों के बारे में संबंधित विभाग, एजेंसियों और सेंट्रल कंट्रोल रूम को जानकारी देगी। हथनीकुंड बैराज से पानी के बहाव के आकलन और बारिश की जानकारी के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग नियमित रूप से हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में अपने समकक्षों के साथ संपर्क में रहेगा।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में यूनिफाईड कमाण्ड की बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ से माओवादी समस्या के समूल उन्मूलन पर दिया गया जोर

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सर्किट हाउस रायपुर में आयोजित यूनिफाईड कमाण्ड की बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में माओवादी गतिविधियों में निरन्तर कमी आ रही है। राज्य में केन्द्रीय सुरक्षा बलों और छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा बेहतर तालमेल के साथ माओवादियों के विरूद्ध सफलतापूर्वक चलाये जा रहे संयुक्त अभियान के कारण यह संभव हो सका है। माओवादियों के विरूद्ध चलाये जा रहे सघन अभियान के साथ-साथ शासन की नवीन ''नियद नेल्लानार योजना'' के तहत विकास कार्यों में भी तेजी लायी जा रही है, जिससे आम जनता का शासन व प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए सुचारू आवागमन हेतु सड़क, पुल-पुलियों एवं अन्य शासकीय निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में संचालित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किये जाने हेतु आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के भी निर्देश मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा दिये गये।

बैठक में माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस के सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाये जाने तथा स्थानीय ग्रामीणों को विश्वास में लेकर माओवाद के विरूद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिये गये। साथ ही माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केन्द्रीय और राज्य के सुरक्षा बलों के जवानों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई तथा सुरक्षा बलों के कैम्पों में जवानों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य के सीमावर्ती राज्यों विशेषत: महाराष्ट्र, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश और उड़ीसा के साथ बेहतर समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त कार्यवाही, सम्पर्क मार्गों पर सुरक्षा बलों द्वारा सतत निगरानी के निर्देश दिये गये और सीमावर्ती राज्यों के साथ सूचनाओं को साझा किये जाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि माओवादियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में यह सुनिश्चित किया जाए कि स्थानीय ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव (गृह) मनोज पिंगुआ, केन्द्रीय गृह मंत्रालय तथा राज्य शासन, केन्द्रीय सुरक्षा बलों एवं राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न विकास एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

छोटी मिसाइल समेत चार हथियारों से लैस '56' विदेशी आतंकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 29 जून से अमरनाथ यात्रा प्रारंभ हो रही है। इस बार भी अमरनाथ यात्रा पर पाकिस्तान के दहशतगर्दों की बुरी नजर है। खुफिया इकाई को जो अलर्ट मिल रहे हैं, उनके मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में 56 पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हैं। इतना ही नहीं, पाकिस्तान के बड़े आतंकी संगठनों के जम्मू-कश्मीर में मौजूद 'मुखौटे' समूहों के 32 लोकल आतंकी भी सक्रिय हैं। इन आतंकियों के पास छोटी मिसाइल सहित चार तरह के हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल ये दहशतगर्द अमरनाथ यात्रा पर हमले के लिए कर सकते हैं। इनमें छोटी मिसाइल यानी हैंड ग्रेनेड के अलावा, आईईडी, चिपकने वाला बम और ड्रोन शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने भी यात्रियों को अचूक सुरक्षा प्रदान करने का इंतजाम किया है। यात्रा रूट पर एक हजार मीटर लंबा बुलेटप्रूफ घेरा तैयार किया गया है। इस घेरे में ड्रोन हमला या एंबुश, दहशतगर्दों की ऐसी संभावनाओं को खत्म करने पर जोर रहेगा। केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, अमरनाथ यात्रा को लेकर हर तरह की एडवाइजरी जारी कर दी गई है। पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्रालय में इस बाबत उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई थी।

महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह भत्ता, पांच लोगों के परिवार के लिए तीन मुफ्त सिलेंडर

महाराष्ट्र बजट में एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को 2024-25 के राज्य बजट में 21 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक भत्ते की वित्तीय सहायता योजना की घोषणा की। वित्त विभाग संभालने वाले पवार ने विधानसभा में अपने बजट भाषण में कहा कि मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना योजना अक्टूबर में होने वाले राज्य चुनावों से चार महीने पहले जुलाई से लागू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए 46,000 करोड़ रुपये का वार्षिक बजटीय आवंटन किया जाएगा। एक अन्य कल्याणकारी योजना की घोषणा करते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि पांच लोगों के एक पात्र परिवार को 'मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना' के तहत हर साल तीन रसोई गैस सिलेंडर मुफ्त मिलेंगे।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार का कहना है, हम महाराष्ट्र में कपास और सोयाबीन की फसल के लिए सभी किसानों को 5000 रुपये प्रति हेक्टेयर बोनस देंगे। हम दूध उत्पादक किसानों को भी 5 रुपये प्रति लीटर बोनस देंगे। 1 जुलाई 2024 के बाद सरकार ने जानवरों के हमले से होने वाली मौतों पर आर्थिक मदद बढ़ा दी है, अब परिजनों को पहले 20 लाख की जगह 25 लाख रुपये मिलेंगे।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने विधानसभा में कहा, हम महाराष्ट्र सरकार की सीएम अन्न छात्र योजना के तहत सभी परिवारों को हर साल 3 मुफ्त सिलेंडर देंगे। राज्य विधानसभा में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने एलान किया है कि हम मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन (सीएम मेरी प्यारी बहन) की घोषणा कर रहे हैं। इसके तहत, सभी महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये दिए जाएंगे। योजना जुलाई 2024 से लागू की जाएगी।

दिल्ली एयरपोर्ट हादसे के बाद विमानन कंपनियों को किराया न बढ़ाने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा शुक्रवार को तड़के ढह गया। इसके बाद यहां से विमानों का संचालन अगले नोटिस तक स्थगित कर दिया गया।

दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बीच शुक्रवार को तड़के करीब पांच बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 'टर्मिनल-1' की छत का एक हिस्सा वाहनों पर गिर गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। नागर विमानन मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इसके परिणामस्वरूप टर्मिनल-1 से आने-जाने वाली उड़ानों का परिचालन अगले नोटिस तक रोक दिया गया है। उड़ानों के सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

एयरलाइन कंपनियों को सलाह- दंडात्मक शुल्क न लगाएं

विमान किराये के संबंध में केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, विमानन मंत्रालय ने एयरलाइनों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों के किराये में कोई असामान्य वृद्धि न हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक एक्स हैंडल पर कई पोस्ट आए। इन बयानों में मंत्रालय ने कहा, एयरलाइन कंपनियों को सलाह दी गई है कि हादसे के कारण उड़ानों को रद्द करने या समय बदले जाने की एवज में दंडात्मक शुल्क नहीं लेने का फैसला किया जा सकता है।

इस बीच हादसे के वक्त वहां मौजूद चश्मदीदों से जब बात की गई तो एक बड़ा खुलासा हुआ। दरअसल, घटना एक चश्मदीद श्याम सिंह ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सुबह पांच बजे के करीब जब यह घटना हुई, उस वक्त तेज बारिश हो रही थी। अचानक बहुत तेज बिजली चमकी और उसके बाद टर्मिनल वन का शेड गिर गया। उनका दावा है कि एयरपोर्ट पर बिजली गिरने से यह बड़ी घटना हुई। वहीं, वहां मौजूद एक यात्री विनोद दाहिया ने बताया कि उनके सामने ही यह हादसा हुआ। वह उस शेड के नीचे ही थे, जो गिरा है। हादसे के बाद दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर सभी एयरलाइंस का ऑपरेशन बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट पर आए लोगों को इस बारे में भी नहीं बताया गया कि उनकी फ्लाइट रद्द होने के बाद उनके क्या किया जा रहा है? दोपहर एक बज रहे हैं और अभी तक लगातार लोग टर्मिनल वन पर पहुंच रहे हैं। लोगों को इस बात की जानकारी नहीं दी जा रही है कि उनकी फ्लाइट टर्मिनल से जाएगी या नहीं?

विमान किराए के संबंध में केंद्र सरकार का परामर्श

इसी बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों से छत गिरने की घटना के बाद राष्ट्रीय राजधानी आने-जाने वाली उड़ानों के किराये में कोई असामान्य वृद्धि न हो, यह सुनिश्चित करने को कहा है। शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे हुए हादसे के बाद इंडिगो और स्पाइसजेट की घरेलू उड़ानों को रद्द करने की खबर आई। टर्मिनल-वन से परिचालन बाधित होने के बाद आवागमन को अस्थायी रूप से टी2 और टी3 पर स्थानांतरित किया गया।

ऐग्रीबिज़नेस पोटेंशियल को बढ़ाने के लिए विशेष राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

कृषि मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में इनोवेटिव ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग के माध्यम से हो रहा कार्यक्रम

प्रभावशाली ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग के लिए सहयोगी डिजिटल प्रणालियों का विकास किया जाना चाहिए - कृषि सचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कृषि वित्तीय श्रृंखला में कृषि वित्त के महत्व पर विचार करते हुए, कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ मनोज आहूजा ने प्रोडक्शन-केंद्रित दृष्टिकोण से मांग-प्रेरित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को समग्र रूप से विकसित करने और उन्हें वैश्विक बाजारों से एकीकृत करने के लिए, हमें अब उपलब्धि की कमी को सिर्फपूरा करने के बजाय बाज़ार की मांगों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा। श्री आहूजा ने ङ्कष्ट विकास के लिए सहयोगी डिजिटल

प्रणालियों को प्रभावी बनाने पर महत्व दिया और सभी हितधारकों के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र नीति कार्यक्रम की आवश्यकता को उजागर किया।

इसके अलावा श्री आहूजा ने तरलता और आर्थिक स्थिरता में सुधार के लिए बिल डिस्काउंटिंग, ब्रिज फाइनेंसिंग, और जोखिम संरक्षण जैसे वित्तीय उपकरणों, को प्रयोग में लाने की मांग की। इन उपकरणों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, सरल आवेदन प्रक्रियाओं और प्रशासनिक विघटनाओं को कम करना महत्वपूर्ण है, उन्होंने जोड़ा।

वित्त सचिव डॉ. विवेक जोशी, ने डिजिटल वित्तीय सेवाओं (छ्स्न्र्) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग में समय पर क्रेडिट प्रदान करते हैं, और कृषि क्रेडिट की उपलब्धता में वृद्धि लाते हैं। हमारा ध्यान इस पर है कि वैल्यू चेन के माध्यम से किसानों को समर्थन प्रदान करने के लिए समय पर क्रेडिट की सस्ती व सुलभ पहुंच सुनिश्चित करें, उन्होंने कहा। उन्होंने एनबीएफसी, फिंटेक और स्टार्टअप्स के महत्व को भी दर्शाया, जो उच्च मूल्यवान कृषि बाजारों में विशेष वित्तीय उत्पादों और आखिरी मील तक क्रेडिट की पहुंच प्रदान करते हैं। उपयुक्त है कि कृषि और किसान कल्याण विभाग ने नई दिल्ली में 27 जून 2024 को 'इनोवेटिव ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग क्रेडिट के माध्यम से भारतीय कृषि व्यापार के पोटेंशियल को बढ़ाने के लिए' एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में भारत सरकार और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञों और हितधारकों ने कृषि वित्तीय क्रेडिट के डायनामिक्स पर चर्चा की।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था जागरूकता बढ़ाना, सहयोग सुविधा प्रदान करना, समाधानों की खोज करना, और उद्यमियों को नवाचारी कृषि वित्त समाधानों से सशक्त बनाना। इस कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने अनुभव और दृष्टिकोण को साझा किया, जिससे चर्चा में गहराई और विचार का विस्तार हुआ। कार्यशाला ने समूचे क्लस्टर-आधारित कृषि मूल्य श्रृंखला वित्तीय प्रणालियों के संभावनाओं को पहचाना, जिससे सहयोग और पर्यावरण में सुधार की ताकत मिली। इस आयोजन ने कृषि मूल्य श्रृंखला के अंतर्गत सभी वित्तीय उपकरणों तक का तर्कसंगत पहुंच बढ़ाने का मकसद रखा। वित्तीय मॉडल के प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए वर्तमान निधि प्रवाह और स्रोतों के महत्व को समझना, और खुद को संचालनीय कृषि वित्त मॉडलों के विकास में योगदान देना जरूरी माना गया। इसमें उच्च स्तरीय स्ट्रैटेजिक चर्चाएं भी शामिल थी जिसमें प्रोफ़ेसर अशोक गुलाटी, जो ICRIER के विशिष्ट प्रोफ़ेसर हैं, मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कृषि में मांग-प्रेरित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने के महत्व को बताया व किसानों की आयों में सुधार के लिए, खाद्य श्रृंखला में पोषण के पहलू पर ध्यान देने की जरूरत और कृषि में जलवायु संवर्धन के विकास की आवश्यकता को भी दर्शाया। प्रारम्भिक रूप से सम्मेलन का स्वागत करते हुए, कृषि और किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव (क्रेडिट), अजीत कुमार साहू ने कृषि मूल्य श्रृंखला वित्तीय क्रेडिट के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता को हाइलाइट किया।

संक्षिप्त समाचार

मंहगाई ने ग़रीब और आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया

सरायपाली (समय दर्शन)। आरीफ अली पिंकी जिला अध्यक्ष झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ महासमुंद का मानना है की देश में चुनाव हो गये है और धीरे-धीरे सभी चीज मंहगाई होने लगी है,अभी-अभी टेलीकॉम कंपनी ने भी अपने काल रेट बढ़ा दिए है,क्योंकि चुनाव हो गये है और फिर से एक बार केंद्र में वही है जो पहले थे तो उम्मीद भी क्या किया जा सकता है,अभी-अभी राज्य की सरकार ने भी बिजली महँगी कर दिया है और अब जो बिल आया है उससे ज़ोर का करंट लगा है और आगे भी लगेगा,ऐसा लगता है सब अपना-अपना फ़ायदा सोंच रहे है लेकिन कोई जनता का नही सोंच रहे है जिनकी सत्ता है वो इन मुद्दों पर बात ही नहीं करते है,वो केवल जनता का ध्यान भटकाने में लगे हुए है। खाद्य पदार्थ आलू,प्याज़,टमाटर और अन्य सब्ज़ियाँ 20त्न से 50त्न तक मेंहगी हो गई है,यदि खाद्य तेल की बात करें तो 30त्न तक महँगा हो गया है,यदि हम दाल की बात करें तो अरहर दाल मूँग डाल और भी दाले 20त्न तक मंहगाई हो गई है,गैस,डीज़ल,पेट्रोल और यहाँ तक दूध दही भी मंहगा है। आज सब्ज़ी ख़रीदने जाने में डर लगता है।

पहली बारिश में ही जामगांव आर थाना हुआ पानी से लबालब

पाटन। दक्षिण पाटन में जमकर बारिश हुई है, धान की खेती करने वाले किसानों के चेहरे खिल गए है वही ग्रामीण क्षेत्र में साफसफाई की व्यवस्था की पोल भी खोल दी है बारिश के चलते जामगांव आर थाना परिसर में पानी भर गया वहीं इस जगह आने वाले फरियादियों और कर्मचारियों को जल भराव के चलते खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा है जैसे तैसे पुलिस के जवानों ने पानी निकालने के लिए व्यवस्था की। लेकिन बारिश के मौसम में इस तरह की स्तिथि जामगांव आर थाने में निर्मित होती रहेगी, जामगांव आर सरपंच राजकुमार ठाकुर से संबंध में जानकारी लेने के लिए कॉल किया गया लेकिन व्यस्तता के कारण कॉल रिसीव नहीं किए।

वित्त लेखा एवं अंकेक्षण विभाग प्रभारी दीपक साहू ने ली समिति की बैठक :

माह के 1 से 7 जुलाई के बीच समस्त कर्मचारियों का वेतन भुगतान हर हाल हो:लेखा प्रभारी दीपक साहू

दुर्ग। नगर पालिक निगम।महापौर धीरज बाकलीवाल के निर्देश पर आज वित्त लेखा एवं अंकेक्षण विभाग प्रभारी दीपक साहू ने ली समिति की बैठक में समिति आयोजित किया गया।बैठक का प्रारंभ का वित्त एवं लेखा समिति कें सदस्या रही श्रीमती गायत्री साहू की निधन पर शोक व्यक्त करते दो मिनट का सभी सदस्यों एवं उपस्थित रहे अधिकारियों ने दो मिनट की मौन रख कर किया गया श्रद्धांजलि। बैठक में वित्त लेखा एवं अंकेक्षण विभाग प्रभारी दीपक साहू के अध्यक्षता में बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्यय तथा स्थापना व्यय के सम्बंध में चर्चा किया गया तथा वर्ष 2024-25 में 3 माह में प्राप्त आय - अनुदान से प्राप्त राशि तथा इन राशियों से किन-किन कार्यो में राशि व्यय किया गया इन पर भी विस्तृत चर्चा किया गया।बैठक में लेखा प्रभारी श्री दीपक साहू द्वारा लेखा अधिकारी को माह के 1 से 7 जुलाई तक समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की वेतन भुगतान हर हाल में करने के लिए निर्देश दिये।बैठक में उपस्थित थे। पार्षद चंद्रशेखर चंद्राकर, श्रीमती महेश्वरी ठाकुर,ज्ञानदास बंजारे, भास्कर कुंडले,अमित देवांगन, बिजेंद्र भारद्वाज, श्रीमती इंद्राणी कुलेश्वर साहू,माहेश्वरी ठाकुर के अलावा प्रभारी लेखाधिकारी रमाकांत शर्मा,योगेंद्र वर्मा।

साक्षर करने मुहल्ले में लगेगी कक्षाएं

उल्लास से जुड़ेगा शहर, हर घर में होगी किताब

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में ऐसे लोगों की तलाश की जा रही है जो अपना नाम तो लिख लेते है, किन्तु शब्दों को जोड़कर वाक्य नहीं बना पाते। ऐसे लोगों के लिए उल्लास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। शासन की इस महत्वकांक्षी योजना से निगम क्षेत्र भी जुड़ चुका है। स्लम क्षेत्र से लेकर ग्रामीण परिवेश वाले क्षेत्र में कक्षाएं लगेगी।

इसी परिपेक्ष्य में निगम के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा विभाग की नोडल पुष्पा पुरूषोत्तम ने बताया कि यह अभियान पूरे देश में चल रहा है। अभियान से हर उस व्यक्ति को जोड़ना है जो पढ़ना नहीं जानता। उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम में लोगों की सुविधा के हिसाब से कक्षाएं लगाई जाएगी। अभियान को सफल बनाने और लोगों को पूर्ण साक्षर करने आजीविका मिशन की सी.आर.पी. को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। कार्यशाला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोविन्द साव, एबीओ जागेश्वरी चंद्राकर व जिला शिक्षा विभाग के श्री घोष उपस्थित थे।

अंक सूची मिलेगी- उल्लास कार्यक्रम में शिक्षा लेने वालों की विधिवत कक्षा लगेगी। साथ ही परीक्षा भी ली जाएगी। परीक्षाफल के हिसाब से अंकसूची प्रदान किया जाएगा। अगर कोई स्कूल गया है और उसके पास किसी भी कक्षा की अंक सूची नहीं है वह व्यक्ति भी इस कार्यक्रम से जुड़कर परीक्षा दे सकता है।

सफाई मित्र के लिए अलग से क्लास- निगम में सफाई कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों की संख्या लगभग 200 से अधिक है। इनमें कई ऐसे है जो हस्ताक्षर तो कर लेते है, किन्तु पढ़ नहीं सकते। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने ऐसे कर्मचारियों की सूची शिक्षा विभाग को देने कहा है।

मौज में खनिज माफिया : नदियों से निकालकर डंप किए जा रहे हैं अवैध रेत, विधायक ने कहा नही हुई कार्यवाही तो करेंगे उग्र प्रदर्शन

बिलाईगढ़ (समय दर्शन): बलौदा बाजार जिले के कसडोल क्षेत्र के नदियों से रेत का परिवहन कर ग्राम हसुवा और बलौदा के खाली प्लाटों में डंप की जा रही है। इसके बाद इस अवैध रेत को आस पास क्षेत्र में खुलेआम विक्रय किया जाता है। इस बात की जानकारी स्थानीय पुलिस थाना के साथ ही खनिज विभाग के अधिकारियों को भी है। इसके बाद क्षेत्र के अंदर यह कारोबार खुलेआम चल रहा है।

विधायक ने की कार्यवाही की मांग- इस मामले को लेकर बिलाईगढ़ की विधायक कविता प्राण लहरें ने मीडिया के माध्यम से खनिज विभाग, राजस्व अधिकारियों और पुलिस प्रशासन को कार्यवाही करने की मांग की है। साथी कहा है कि उक्त स्थान पर डंपिंग किए गए अवैध रेत पर अगर कार्यवाही नहीं की जाती है तो आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन और चक्का जाम जैसे प्रदर्शन करेंगे जिसकी संपूर्ण जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी।

नदियों का सीना चिर कर रहे है डंपिंग- बता दें कि लगातार क्षेत्र में अवैध रेत माफिया सक्रिय होकर नदियों का सीना छल्ली कर रहे हैं। और रेत परिवहन का डंपिंग किया जा रहा है ताकि बरसात में अधिक दामों में रेत की बिक्री किया जा सके। लेकिन इन रेत माफियाओं पर अधिकारियों का भी आशीर्वाद होने की संभावना जताई जा रही है वरना बड़ी मात्रा में रेत डंपिंग होने के बाद भी कार्यवाही नहीं होना अधिकारियों के ऊपर सवाल खड़े करते हैं।

लोकसभा चुनाव में बूथ के देवतुल्य कार्यकर्तावो की मेहनत से पाटन विधानसभा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत - नीलू शर्मा

पाटन विधानसभा भाजपा कोर ग्रुप की बैठक सम्पन्न

पाटन। भारतीय जनता पार्टी कोर ग्रुप की बैठक पाटन में आयोजित हुआ। उक्त बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में नीलू शर्मा प्रदेश प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जिन्होंने योग को जन मानस से जोड़ने हेतु 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने आह्वान किया है तब से अनेकों देशो में भी योग को अपनाया है। आज भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है , जिनके परिपालन हम सबको करना है। पार्टी के छः कार्यक्रम में से एक कार्यक्रम जो जनसंघ के संस्थापक डा श्यामाप्रसाद मुख़र्जी के बलिदान दिवस 23 जून से 07 जुलाई तक प्रत्येक बूथ में माँ के नाम एक पेड़ का पौधारोपण किया जाना है। कांग्रेस शासन काल में 25 जून 1975 को आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या किया गया था, जिनकी मंडल स्तर पर काला दिवस के रूप में कार्यक्रम किया जाना है। लोकसभा चुनाव में पाटन विधानसभा में ऐतिहासिक विजय श्री दिलाने हेतु कार्यकर्ताओं व आम मतदाताओं को सादर साधुवाद प्रेषित किया गया एवं जिनकी बूथवार समीक्षा किया गया। महीना के अंतिम रविवार 30 जून को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात को प्रत्येक बूथ में बूथ कमेटी के साथ बैठकर सुनने जानकारी दिया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा कर सम्बोधित किया । स्वागत उद्बोधन लालेश्वर साहू अध्यक्ष दक्षिण मंडल आभार लोकमणि चंद्राकर अध्यक्ष उत्तर मंडल ने किया। संचालन खेमलाल साहू अध्यक्ष मध्य मंडल ने किया। उक्त बैठक में जितेंद्र वर्मा अध्यक्ष जिला भाजपा दुर्ग, दयाराम साहू पूर्व विधायक गुंडरदेही, दिलीप साहू उपाध्यक्ष जिला भाजपा, सुरेंद्र कौशिक महामंत्री जिला भाजपा, श्रीमति हर्षा चंद्राकर सदस्य जिला पंचायत दुर्ग, श्रीमति दिव्या कलिहारी अध्यक्ष जिला महिला मोर्चा , राकेश पाण्डेय सह संयोजक पाटन विधानसभा, लालेश्वर साहू अध्यक्ष दक्षिण मंडल, खेमलाल साहू अध्यक्ष मध्य मंडल, लोकमणि चंद्राकर अध्यक्ष उत्तर मंडल, रूपसिंह सिन्हा अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग जिला , पोसूराम निर्मलकर प्रदेश कार्यकारिणी, अजय बघेल पूर्व जिला पंचायत सदस्य, राजेश चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि, योगेश निक्की भाले नेता प्रतिपक्ष पाटन, आयुषी पाण्डेय प्रदेश मीडिया सह प्रभारी,पी एन दुबे पूर्व अध्यक्ष कुम्हारी मंडल, महामंत्रीगण हरिशंकर साहू, राजेश बन्छोर, तेजेन्द्र पिपरिया, कैलाश यादव,उत्तरा सोनवानी, फेरहाराम धीवर, गोल्डी गोस्वामी, रामाधार शर्मा।

कलेक्टर ने ली छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शिक्षा विभाग और आदिवासी विभाग द्वारा संचालित छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने छात्रावासों में भी प्रवेश उत्सव मनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों से कहा कि छात्रावासों की स्थिति अच्छी हो, बच्चों को अच्छा वातावरण और गुणवत्तायुक्त भोजन मिले यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। जिले में आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित 83 और शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 7 छात्रावास एवं आश्रमों के अधीक्षक मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास में बच्चे आपके संरक्षण में रहते है, वहां आप उनके अभिभावक है। छात्रावास में रहने वाले बच्चों को अपना बच्चा मानिये। उनके बेहतर भविष्य निर्माण में उनके सहयोगी बने। उन्हें छात्रावास में बिलकुल घर जैसा माहौल और जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई जाए जिससे उन्हें अनुकूल परिवेश ओर सुविधा मिल सके। उन्होंने अधीक्षकों से सभी बच्चों का शत-प्रतिशत स्वास्थ्य परीक्षण कराने कहा। कलेक्टर ने नियमित रूप से निगरानी समिति की बैठक आयोजित करने कहा। उन्होंने बैठक में आश्रम छात्रावासों के रख-रखाव, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य परीक्षण की स्थिति सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बच्चों के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए 1 घंटे अलग से ऑनलाईन कक्षा लगाने की कार्ययोजना बनाने कहा। इसमे ऐसे शिक्षकों का एक अलग ग्रुप तैयार करने कहा जो बच्चों को अलग से 1 घंटे सालभर ऑनलाईन पढ़ा सके। उन्होंने कन्या छात्रावासों में सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारियों द्वारा छात्रावासों का सघन निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण में खामियां मिलने पर संबंधित छात्रावास अधीक्षक के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने अधीक्षकों से उनकी छात्रावास संचालन में आ रही समस्याएं पूछी और समस्याओं का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश सहायक आयुक्त को दिए।

बैठक में एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी, सहायक कलेक्टर श्री तन्मय खन्ना, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्री सीएल जायसवाल, शिक्षा विभाग के सहायक संचालक श्री अनिल तिवारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

आयुष ग्राम सिंघरी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बिलासपुर (समय दर्शन)। जिले के बिल्हा ब्लॉक के आयुष ग्राम सिंघरी में आयुष विभाग द्वारा आयुष संचालक सुश्री इफ्फत आरा (आईएएस) के निर्देश पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. यशपाल सिंह ध्रुव के मार्गदर्शन में त्रैमासिक आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ विधिवत भगवान धनवंतरी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर ग्राम के सरपंच श्री विश्वनाथ साहू जी के द्वारा किया गया। शिविर प्रभारी डॉ कुमुदिनी पटेल(एम डी कायचिकित्सा) आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी सिंघरी, ने बताया की आयुष ग्राम की घोषणा लगभग दो महीने पहले ही हुई है यह शासन की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमे आयुर्वेद के विभिन्न गतिविधि संचालित कर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आयुर्वेद विभाग की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा, जैसे जीवन शैली में बदलाव, ऋतु अनुसार खान पान, आहार विहार जड़ी बूटियों के द्वारा उपचार को बढ़ावा देना, बीपी एवम शुगर की जांच कर उचित रूप से उपचार करना है। ग्रामीण स्तर पर लोगों को अधिक से अधिक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से जोड़ कर लाभ दिया जाएगा, इस योजना के तहत आज त्रैमासिक आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 372 रोगियों का उपचार कर निरूशुल्क आयुर्वेदिक दवाई का वितरण किया गया शिविर में ज्यादातर वात रोग, उदर रोग, चर्म रोग, दौरबल्य, ज्वर, कास, प्रतिश्याय, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्त्री रोग, इत्यादि के रोगी देखे गए। शिविर में आए हुऐ लोगों को दिनचर्या, ऋतुचर्या आहार विहार के संबंधित पंपलेट वितरण कर जागरुक किया गया, साथ ही साथ लोगों को दवा सेवन के साथ साथ परहेज के लिए भी विशेष रूप से समझाइश दी गई।

शिविर को सफल बनाने में डॉ रश्मि जितपुरे (एम डी कायचिकित्सा), डॉ राजेश दुबे आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, फार्मासिस्ट लक्ष्मी साहू, सुरेन्द्र अजगल्ले, स्टाफसत्यप्रकाश माथुर, हेलन बाई इंडुआ, कुशल प्रसाद यादव एवम गणमान्य नागरिक मितानिन का सक्रिय योगदान रहा।

पिछले सत्र में स्कूली विद्यार्थियों के 60 हजार से ज्यादा जाति प्रमाण पत्र बने

कलेक्टर मलिक की पहल पर जाति प्रमाण पत्र बनाने विशेष अभियान चलाया गया, अध्ययन के दौरान ही विद्यार्थियों के हाथों में जाति प्रमाण पत्र

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ 2ासन के मंशानुरूप लोक सेवा प्रदाय प्रणाली को प्रभावी एवं सरल बनाने के लिए सुशासन की दिशा में अभिनव प्रयास किए जा रहे है। जाति प्रमाण पत्र प्रदाय अभियान के तहत स्कूल के छात्र छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने जिले में सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। पिछले शिक्षा सत्र 2023-24 में कक्षा पहली से लेकर कक्षा 12वीं तक पढ़ने वाले बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के मामले में जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर प्रभात मलिक ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु विशेष रूचि लेते हुए सभी स्कूलों में विशेष अभियान चलाया गया। फलस्वरूप पिछले एक सत्र में ही 60 हजार 148 बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाया गया जो सम्भवत: प्रदेश में सर्वाधिक है। कलेक्टर मलिक ने कहा कि हम सभी को शासकीय कामकाज और अन्य कारणों से जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता हमेशा होती है, जिसके लिए लोग भटकते रहते हैं। इसलिए स्कूलों को इकाई मानकर जाति प्रमाण पत्र बनाने की पहल किया गया। जिसके कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की जाति प्रमाण पत्र बने। अध्ययन के दौरान ही बच्चों की जाति प्रमाण पत्र बनने से उन्हें और पालकों को जाति प्रमाण पत्र बनाने भटकना नहीं पड़ेगा।

स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए बच्चों से जाति प्रमाण पत्र से संबंधित 2ासकीय अभिलेख जैसे अन्य पिछड़ा वर्ग के मामले में 1984 के पूर्व का दस्तावेज तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मामले में 1950 के पूर्व का दस्तावेज जैसे दाखिल खारिज या मिशल, आय प्रमाण पत्र, स्थानीय संरपच या पार्षद से प्रमाण पत्र लेकर प्राचार्य द्वारा फॉर्म भरा जाता है। प्राचार्य द्वारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को भेजा जाता है। बीईओ द्वारा दस्तावेज स्कैन कर ऑनलाईन तहसीलदार को प्रेषित किया जाता है। समस्त दस्तावेज पूर्ण होने पर अस्थायी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। 6 माह पश्चात अनुविभागीय अधिकारी द्वारा स्थायी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। यदि किसी विद्यार्थी के पास शासकीय अभिलेख उपलब्ध नहीं हो तो ग्राम सभा का प्रस्ताव पारित कर व निर्धारित प्रारूप में फॉर्म भरकर सचिव द्वारा दिया जाता है। जिसे पुन: विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तहसीलदार को प्रेषित करते है। जिला मिशन समन्वयक कमल नारायण चंद्राकर ने बताया कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर जाति प्रमाण पत्र बनाने जिले में सघन अभियान चलाया गया। इस तरह वर्तमान स्थिति में महासमुंद विकासखण्ड में 18,831 जाति प्रमाण पत्र बनाए गए। वहीं बागबाहरा में 15846, पिथौरा में 5853, बसना में 6271 एवं सरायपाली में 13,347 जाति प्रमाण पत्र बनाए गए। जो एक सत्र में बनाए गए सर्वाधिक जाति प्रमाण पत्र है। कई विद्यार्थियों को उनके घर में जाकर जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। संकुल समन्वयक जागेश्वर सिन्हा ने बताया कि महासमुंद ब्लॉक में तीन स्कूलों में सभी विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है। जिसमें मिडिल स्कूल बृजराज पाठशाला, मिडिल स्कूल मालीडीह, नयापारा (बेमचा) और बकमा शामिल है। इस विशेष उपलब्धि के लिए प्रधान पाठकों को सम्मानित भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अन्य स्कूलों में भी 2ात प्रतिशत विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया जारी है।

सार समाचार

अस्पताल स्टॉफ ने मरीज के परिजनों से किया मारपीट

रायपुर(समय दर्शन)। राजेन्द्र नगर स्थित श्रीशंकरा अस्पताल में डॉक्टर व स्टॉफ ने मरीज के परिजनों से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपियों क खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजेश कुमार सोनी 35 वर्ष अटल आवास हीरापुर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी ने राजेन्द्र नगर स्थित श्रीशंकरा अस्पताल में डॉक्टरों से पूछा कि बिना अनुमति के मेरे जीजा का कैसे ऑपरेशन कर दिया। जिससे डॉक्टर व स्टॉफ ने प्रार्थी व उसके परिजन सानू, राजा सोनी से गाली-गलौज कर मारपीट किया।

कार की टक्कर से बाइक युवक सवार घायल

रायपुर(समय दर्शन)। मानपुर रोड में कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नरेन्द्र वर्मा 34 वर्ष खपरीडीह सुहेला का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि मानपूर रोड में आरोपी कार क्रमांक सीजी 04 एमक्यू 3504 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार मेरे भाई को टक्कर मार दिया। जिससे उसके पैर फैक्चर हो गया।

स्काईवॉक का काम जल्द होगा पूरा

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी में सात साल पहले शुरू किया गया स्काईवॉक का काम जल्द पूरा होगा। राज्य की विष्णु देव साय सरकार ने जनहित में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का निर्णय ली है। 2018 में राज्य में कांग्रेस सरकार ने स्काई वाक को अनुपयोगी बताकर इसके निर्माण पर रोक लगा दी थी, लेकिन अब सरकार के निर्देशों के बाद लोक निर्माण विभाग की सेतु निगम ने रिपोर्ट दी है कि स्काई वाक का ढांचा मजबूत है। इसे दोबारा तैयार किया जा सकता है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की सामान्य सुझाव समिति ने भी स्काइ वाक को तोड़ने के बजाय जनहित में इसके उपयोग का सुझाव दिया था। बावजूद इसके सरकार ने निर्माण कार्य रोके रखा। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के मुताबिक बारिश के बाद सितंबर-अक्टूबर में निर्माण कार्य जारी किया जा सकता है। नगरीय निकाय चुनाव के आचार संहिता के पहले टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। स्काई वाक का उपयोग मुख्य तौर पर फुटओवर ब्रिज के रूप में होगा।

आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव

स्कूल की पढ़ाई बच्चो के भविष्य की नीव है : गफ्फु

गरियाबंद। स्कूल की पढ़ाई बच्चो के उज्जवल भविष्य की नीव होती है,उसी नीव को मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया है।ताकि बच्चो के प्रथम दिन ही मुंह मीठा करवाया जाता है जिससे बच्चो का स्कूल आने से उनका मन लगा रहे।उक्त बातें नगरपालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव कार्यकम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बच्चे और शिक्षको के बीच कहा।आगे उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा बहुत जरूरी है,साथ ही आज के पढ़ाई में प्रतियोगिता बहुत है,इस प्रतियोगिता से स्कूल के मंझे हुए बच्चे आते है और ज्यादा से ज्यादा अंक प्राप्त कर रहे है।पहले के समय में तो स्कूल में बच्चो को डाटना और थोड़ा बहुत मार पड़ना होता ही था लेकिन आज के समय में ये सब बंद हो गया है,गुरु अगर स्कूल बच्चे को डांटे तो हमे नाराज नही होना चाहिए,क्योंकि ये डाट बच्चो के भविष्य के लिए किया जाता है बच्चो के भविष्य सुधारना गुरु का फर्ज है।आज के समय में मोबाइल का उपयोग बच्चे कम करे,हालाकि मोबाइल में सभी जानकारी मिलती है,हमे अच्छी बात को देखना है।वही स्कूली की समस्याओं को लेकर श्री मेमन ने प्राचार्य वंदना पांडे से कहा कि वे साया को पूर्व मंत्री व सांसद बृजमोहन से चर्चा के सभी समय निराकरण की कोशिस करेंगे,साथ ही तात्कालिक व्यवस्था के लिए स्कूल में एक वाटर कूलर देंगे और नपा में नया निधि में एक वाटर कूलर के साथ खेलकूद सामाग्री व अन्य कार्य के लिए पांच लाख रुपया देने की घोषणा किए।

आज के इस शाला प्रवेश उत्सव के प्रारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमे स्कूली छात्राओं द्वारा स्वागत गीत ने लोगो को आकर्षित किया।वही कार्यक्रम के प्रारंभ में स्कूल के प्राचार्य वन्दना पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शाला प्रवेश उत्सव शासन को महत्ती योजना है।इस उत्सव के माध्यम से शाला में बच्चो को परिवार जैसा माहौल ताकि बच्चे अपने उज्वल भविष्य गढ़े इसका उद्देश्य है।आज स्कूल स्टाप के मेहनत से अच्छा परिणाम देखने को मिल रहा है।लकी स्कूल स्टाप की कमी है, फिरभी कामर्स मैथ्स और बायो की पढ़ाई इस स्कूल में ठीक चल रहा है।स्कूल के लिए दो भृत्य,एक कामर्स टीचर की मांग किया गया।कार्यक्रम में मिलेश्वरी साहू ने संबोधित करते हुए कहा की शाला प्रवेश उत्सव स्कूल में अच्छे संस्कार की शुरुवात माना जाता है।स्कूल बच्चो के भविष्य की प्रथम सीढी है।

आखिर क्यों है मल्टी ऐसेट निवेश एक स्मार्ट विकल्प -रतन मोटवानी

रायपुर(समय दर्शन)। पिछले दिनों चुनाव परिणामों को लेकर इक्विटी बाजार कुछ दिनों तक अस्थिर बना रहा । हालांकि उसके बाद जैसे ही सरकार गठित हुई है फिर से शेयर बाजार अपने नए सोपान स्थापित कर रहा है , परंतु इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वैश्विक स्तर पर भी भू राजनीतिक तनाव और धीमी वैश्विक वृद्धि के साथ मिलकर इसने अस्थिरता की संभावना को बढ़ा दिया है। जिससे निवेशकों का विश्वास और बाजार का प्रदर्शन बीच-बीच में प्रभावित होता रहता है। ऐसे अस्थिर बाजार के माहौल में जब निवेश करने की बात आती है तो मल्टी ऐसेट निवेश दृष्टिकोण काम आता है । इस रणनीति में कई एसेट क्लास में निवेश करना एसेट को एक ही जगह पर केंद्रित करने से बचकर जोखिम को कम करना और निवेश को किसी एक एसेट क्लास में अचानक गिरावट से सुरक्षित रखना शामिल है। इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि बाजार अलग-अलग जोखिमों के अधीन है इसमें सूक्ष्म ,स्थूल , घरेलू या अंतरराष्ट्रीय जोखिम कारण हो सकते हैं एसे में इक्विटी, डेट, कमोडिटी, जैसे विभिन्न असेट्स क्लास में निवेश करने से आपको सभी एसेट क्लास का एकमुश्त लाभ मिलता है जिससे परिणाम स्वरुप आपको अपने निवेश पर अधिकतम रिटर्न मिलता है। इसके अलावा हर एसेट क्लास एक ही तरह से स्थिति पर प्रतिक्रिया नहीं करता कुछ कमजोर दिख सकते हैं जबकि अन्य ऊपर की ओर जाते हुए दिख सकते हैं और यहीं पर मल्टी ऐसेट निवेश रणनीति अलग-अलग व्यवहार करने वाले एसेट क्लास के सार को पकड़ती है। और लंबे समय में अपेक्षाकृत स्थिर रिटर्न देती है दिलचस्प बात यह है कि मल्टी ऐसेट निवेश ने ऐतिहासिक रूप से साबित कर दिया है कि बाजार में संकट और अस्थिरता की बावजूद निवेदक अधिक अमीर बनते हैं। इस रणनीति का लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छा तरीका मल्टी ऐसेट म्युचुअल फंड चुनना है जिसमें एक प्रोफेशनल मनी मैनेजर आपकी ओर से जरूरी काम करता है जिससे आपका समय और ऊर्जा बचती है और आपको विभिन्न साइकिल्स में विभिन्न असेट्स के लाभों को प्राप्त करने में मदद मिलती है। इस कैटेगरी में सबसे पुराना उदाहरण आइसीआइसीआइ प्रूडेंशियल मल्टी ऐसेट फंड है 21 से अधिक वर्षों से ट्रैक रिकॉर्ड के साथ इस फंड की शुरुआत से ही 21.39 प्रतिशत का मजबूत रिटर्न दे रहा है, 31 मार्च 2024 तक फंड ने 1 वर्ष में 31.57 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न 3 वर्षों और 5 वर्षों में क्रमश: 22.24 प्रतिशत और 19.45 प्रतिशत का काफी अच्छा प्रभावशाली रिटर्न दिया है।

सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम जरूरी

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न स्थानों की सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिलों के कलेक्टर्स से चर्चा की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सड़कों पर आवारा पशुओं के आ जाने के कारण हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की आज बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़कों पर आवारा पशुओं के जमावाड़ा के कारण हो रही दुर्घटनाओं के चिन्हांकित स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। सड़कों पर आने वाले पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में समुचित व्यवस्था के साथ रखा जाए। चिन्हांकित मार्गो पर पशु हटाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा है कि सड़कों पर आवारा अथवा पालतु पशुओं के पाए जाने पर उन्हें हटाने के लिए एक निश्चित व्यवस्था की जाए। बैठक में विभिन्न जिलों के कलेक्टर ने बताया कि सड़कों पर पशुओं को आने से रोकने के लिए विभिन्न विभागों के सहयोग से कार्यवाही की जा रही है तथा सड़कों पर पशु पाए जाने पर उन्हें गौशालाओं में रखा जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी में कोई भी नेता हार की जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं : भाजपा

रायपुर(समय दर्शन)। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कांग्रेस की करारी हार को लेकर कल होने वाली समीक्षा बैठक पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी अंदरुनी अंतर्कलह से अभी तक उबर नहीं पाई है। विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद लोकसभा चुनाव में भी छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस को उनके किए भ्रष्टाचार घोटाले के कारण छत्तीसगढ़ से बाहर उखाड़ फेंका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली कल कांग्रेस के हार की समीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी आपसी गुटबाजी की वजह से पूरी तरह बिखर चुकी है। कांग्रेस पार्टी में केवल वन मैन शो चल रहा है। कहने को तो दीपक बैज कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं लेकिन कांग्रेस में दीपक बैज की चलती ही नहीं है। यह कांग्रेस में बढ़ती अंतर कलह को दर्शाता है और इसी के चलते दीपक बैज के ऊपर हार का ठीकरा फोड़ कर उसे प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाने की साजिश हो रही है। कांग्रेस पार्टी में टिकट वितरण में भी भूपेश बघेल ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए मनमाने ढंग से विधानसभा चुनाव में टिकट का वितरण किया और यही स्थिति लोकसभा चुनाव में भी दिखाई दी, जब बस्तर से सांसद रहे कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का टिकट काटा गया। वहीं दूसरी तरफ, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने आला नेताओं को खुश करते हुए राजनाँदगांव लोकसभा सीट से चुनाव तो लड़े लेकिन जनता ने उन्हें विधानसभा चुनाव की तरह ही शिकस्त दी। शिवरतन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में हार की जिम्मेदारी अभी तक कोई लेने को तैयार नहीं है।

कोर्ट में सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका खारीज

रायपुर(समय दर्शन)। कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार सौम्या चौरसिया को कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि इस मामले की केस डायरी के मुताबिक सौम्या की पूरी संलिप्तता नजर आ रही है। बता दें कि सौम्या चौरसिया ने कोर्ट में जमानत के लिए आवेदन दिया था। जिसपर गुरूवार शाम को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सौम्या चौरसिया के वकील ने अपना पक्ष रखते हुए अपनी दलील रखी और सौम्या की चार साल की बेटी का हवाला देते हुए कहा कि उसकी तबीयत ठीक नही रहती साथ की कोर्ट में बच्ची की मेडिकल रिपोर्ट भी पेश की किंतु जज ने फैसला सुनाते हुए मामले में सौम्या चौरसिया की पूरी संलिप्तता बताते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया। ज्ञात हो कि पिछली कांग्रेस सरकार में ताकतवर और प्रभावशाली अफसर रहीं सौम्या चौरसिया को कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में इडी ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वे सेंट्रल जेल रायपुर में बंद हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद ईडी के प्रतिवेदन पर एसीबी और ईओडब्ल्यू की ओर से एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने सौम्या हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दरअसल, केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाले में 500 करोड़ रुपए की अवैध उगाही को लेकर जांच शुरू की थी।

नई दिल्ली में 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दौरान संसद भवन में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, जितिन प्रसाद और सर्बानंद सोनोवाल के साथ.

नगरीय निकायों और पंचायतों के आम निर्वाचन की तैयारियों पर राज्य निर्वाचन आयुक्त ने दिया ज़ोर

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने कार्यभार ग्रहण करते ही आगामी समय में होने वाले नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन की तैयारियां तेजी से करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार को उन्होंने एक अहम बैठक रखी। इसमें प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, सचिव नगरीय प्रशासन श्री बसवराजू एस., सचिव सामान्य प्रशासन श्री डी.डी.सिंह तथा सचिव राज्य निर्वाचन आयोग डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे उपस्थित रहे। बैठक में नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों के वार्डों के परिसीमन की प्रक्रिया के संबंध में चर्चा करते हुए आयुक्त श्री सिंह ने इसे समय सीमा में कराने पर जोर दिया है। इस मौके पर उन्होंने समय-समय पर उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्वाचन से संबंधी दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। बैठक में नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए मतदाता सूची की तैयारी की भी आयुक्त श्री सिंह ने समीक्षा की। साथ ही मतदान केन्द्र और मतदान कर्मियों की आवश्यकता और व्यवस्था पर भी बात की। उन्होंने आम निर्वाचन के पहले सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने पर बल दिया है।

निगम जोन आठ ने हीरापुर में बड़े बकायादार पर सीलबंद कार्यवाही की

तत्काल 2 बर्ष का सम्पूर्ण बकाया 1 लाख 70 हजार रूपये का चेक दे दिया

सोनडोंगरी में 3 बड़े बकायादारों को 3 दिवस की अंतिम सूचना दी गयी, भुगतान नहीं करने पर तालाबंदी की जाएगी

रायपुर(समय दर्शन)। - नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार ,अपर आयुक्त श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उपायुक्त डॉक्टर आर. के. डोंगरे एवं जोन 8 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव के निर्देशानुसार जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्री प्रमोद जाधव, राजस्व निरीक्षक श्री सुनील रघुवंशी, सहायक राजस्व निरीक्षक श्री नन्द कुमार वैष्णव, श्री रत्नदीप करवाड़े की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग ने वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 के हीरापुर क्षेत्र में दो वर्ष के बड़े बकायादार श्री अशोक सिंह के व्यवसायिक परिसर में बकाया राशि नहीं दिये जाने पर तालाबंदी की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी, तालाबंदी कार्यवाही के दौरान बड़े बकायादार श्री अशोक सिंह ने दो वर्ष का सम्पूर्ण बकाया रूपये 1 लाख 70 हजार रूपये का भुगतान चेक के माध्यम से स्थल पर नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को कर दिया एवं स्वयं को कार्यवाही से सुरक्षित रखा. जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड के सोनडोंगरी क्षेत्र में नगर निगम के बड़े बकायादार भारत कुमार, माला बाई एवं अन्य वर्ष 2017 - 18 से बकाया राशि 420414 रुपए, अनिता अग्रवाल ,सुरेश अग्रवाल एवं अन्य वर्ष 2019-20 से बकाया राशि 845044 रुपए, संतोष देवी, सुभाषचंद्र 2019 -20 से बकाया 792828 रुपए उक्त तीनों बड़े बकायादारों को 3 दिवस की अंतिम सूचना दी गयी है. 3 दिवस में भुगतान नहीं करने पर तालाबंदी की कार्यवाही की जाएगी. सभी बड़े बकायादारों पर सम्पूर्ण बकाया राशि का भुगतान नहीं किये जाने पर कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

नगर निगम राजधानी शहर में मच्छर जनित रोगों की कारगर रोकथाम हेतु तैयार, विशेष टीमें गठित कर कण्ट्रोल रूम बनाकर नियंत्रण की तैयारी

रायपुर(समय दर्शन)। इस वर्ष मानसून पूर्व राजधानी शहर रायपुर के सभी 70 वार्डों में मच्छर जनित रोगों की कारगर रोकथाम करने नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग में तैयारी की जा रही है। इस सम्बन्ध में आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चर्चा की एवं जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा को दृष्टिगत रखकर मच्छर जनित रोगों के कारगर नियंत्रण हेतु प्रभावी क्रियान्वयन करने निर्देशित किया. नगर निगम द्वारा इस वर्ष मानसून के पूर्व और मानसून के दौरान मच्छर जनित रोगों पर कारगर नियंत्रण हेतु विषय विशेषज्ञगणों के सहयोग से आमजनों को राहत दिलवाने की तैयारी की गयी है. इस हेतु विशेष टीम गठित कर विषय विशेषज्ञगणों को उसमें सम्मिलित कर व्यापक तौर पर एंटी लार्वा ट्रीटमेंट करने और फॉगिंग अभियान चलाये जाने के साथ इसे लेकर नागरिकों की शिकायतों को सुनकर उनका यथासंभव निराकरण करवाकर नागरिकों का मच्छर नियंत्रण अभियान पर फीडबैक लिया जायेगा। यह कार्य नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर बकायदा कण्ट्रोल रूम बनाकर किया जायेगा। नागरिकों के मध्य मच्छर जनित रोगों के कारणों, लक्षणो, बचाव के सरल उपायों की जानकारी वार्डों की बस्तियों, कॉलोनियों, गली, मोहल्लों में सार्वजनिक मुनादी, पम्पलेट, सोशल मीडिया के माध्यम से देकर नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने का कार्य किया जायेगा। शहर क्षेत्र के सभी नागरिकों से पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने, घरों, दुकानों का कचरा नाली, नाला, तालाब, कुयें गली, सड़क, सार्वजनिक स्थलों पर नहीं डालकर निगम सफाई मित्र को सूखा एवं गीला कचरा पृथक - पृथक डस्टबिन में रखकर सफाई वाहन में प्रतिदिन नियमित देने, घर एवं उसके आसपास सफाई पर ध्यान देने, मानसून के पूर्व एवं मानसून के दौरान मच्छरदानी का उपयोग करने, सुपाच्य, ताजा, गरम खाद्य पदार्थ ग्रहण करने का विनम्र आव्हान नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की ओर से किया गया है।

संपादकीय

आरक्षण रद्द बिहार सरकार को तगड़ा झटका

पटना हाई कोर्ट ने 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए गए राज्य सरकार के आरक्षण को रद्द कर दिया है। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार को तगड़ा झटका माना जा रहा है। यह दलितों, पिछड़े वर्गों व आदिवासियों को सरकारी नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में दिया जा रहा था। बिहार की तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा बीते साल नवम्बर में जाति गणना के आधार पर इन वर्गों के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाने का कानून बनाया गया था। अदालत ने विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के बाद इस बढ़ी आरक्षण सीमा को संविधान के अनुच्छेद 14, 16 व 20 का उल्लंघन बताया। जैसा कि शीर्ष अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि कोई भी राज्य सरकार 50 प्रतिशत की तय सीमा से अधिक कोटा नहीं लागू कर सकती है, जबकि बिहार में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए 10 फीसद मिलाकर यह आरक्षण 75 प्रतिशत पहुंच गया था। अदालत का मानना है कि बिहार में कुल जनसंख्या के केवल 1.57 प्रतिशत लोग ही सरकारी नौकरियों में हैं। जनसंख्या के अनुपात में सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व भी पर्याप्त बताया जा रहा है। हालांकि राज्य सरकार इस आदेश के खिलाफ सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है। दरअसल, जैसा नजर आता है कि आरक्षण अब राजनीतिक पार्टियों के लिए जनता को फुसलाने का साधन मात्र रह गया है। उनका ध्येय समाज में व्याप्त गैर-बराबरी को मिटाना नहीं रहा। वे मतदाताओं को बड़ी तादाद में प्रभावित करने के उद्देश्य से व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करते नजर आते हैं। तमाम अगड़ी जातियां मानती हैं कि आरक्षण के चलते नौकरियों क लाले पड़ रहे हैं। वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के प्रभावित होने का रोना भी रोती रहती हैं, परंतु यह भी गलत नहीं है कि हमारी सामाजिक व्यवस्था में विभिन्न जातियों/समुदायों को जबरदस्त अन्याय सहना पड़ा है। उनके लिए कोटा तय कर, उन्हें सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक तौर पर बराबरी पर लाने के प्रयासों पर अड़चनें लाने उचित नहीं है। यूं तो अन्य राज्यों में भी सत्ताधारी दल लाभ के लोभ में कोटा बढ़ाते रहने को उतावले हो सकते हैं। इसलिए बिना देरी किए, इस पर लगाम लगाना लाजमी है। कमजोर वर्ग की सहूलियत के लिए, उन्हें सहायता देने व जीवन स्तर बेहतर बनाने के अन्य तरीकों पर भी विचार किए जाने की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जाना चाहिए।

रेल दुर्घटनाओं की रोकथाम कैसे?

अजय दीक्षित

छोटी-छोटी रेल दुर्घटनाओं की खबर स्थानीय अखबारों में छप जाती है या लोगों को मालूम ही नहीं होता । रेल सेफ्टी से प्रायः ड्राइवर या अधिकारी खिलवाड़ करते हैं । पिछले दिनों मुरैना-आगरा खण्ड पर जाजौ और मनियां के बीच ड्राइवरों को कॉशन था कि बहुत धीमी रफ्तार से गाड़ी चलायें । फिर भी थ्रू ट्रेनों के ड्राइवर 180 की स्पीड से गाड़ी ले गये । भाग्य से कोई दुर्घटनानहीं घटी ।

पिछले दिनों न्यूजलपाईगुड़ी में कंचन चंपा और मालगाड़ी की टक्कर में बड़ी संख्या में यात्री मरे? । इसके साथ ही रेल कर्मचारियों को भी मौत का सामना करना पड़ा ।

कई साल से चर्चा है कि रेलवे %कवच% नाम से सेफ्टी लगा रहा है और इससे रेल की आपस में टक्कर नहीं हो सकेगी । परन्तु जिस तेजी से हाई स्पीड गाडियां चलाई जा रही हैं और ज्यादा किराये वाली सुविधा युक्त गाडियों का नये-नये नामों से संचालन हो रहा है, उतनी तेजी से %कवच% नहीं लगाया जा रहा है । वह जमाना बीत गया जब रेलमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना होने पर केन्द्रीय कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था ।

यूं वर्तमान रेल मंत्री तुरन्त दुर्घटनास्थल पर पहुंच गये थे परन्तु इससे बचाव के काम में कोई तेजी नहीं आती अपितु रेलमंत्री की सुविधा और सुरक्षा में लगे अधिकारी और कर्मचारी उनके आवभगत में लग जाते हैं तो बचाव कार्य में बाधा ही पड़ती है ।

नये मंत्रिमंडल के गठन के समय जे.डी.यू. ने रेल मंत्रालय की मांग की थी, उस पर प्रधानमंत्री का कहना था कि जिस तेजी से रेल सेवा का विस्तार और विकास हो रहा है उसमें बहुत सक्षम रेलमंत्री की आवश्यकता है। यदि नितीश कुमार स्वयं रेल मंत्रालय संभालें तो सोचा जा सकता है । वर्तमान रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बहुत कर्मठ और लग्नशील हैं । पिछले कुछ वर्षों में गेज परिवर्तन, तीसरी लाइन, स्टेशनों का विकास और विस्तार रेल सेवा में सुविधा और आराम को लेकर बहुत कुछ किया जा चुका है और आगे भी किया जा रहा है । अब प्रत्येक रेल स्टेशन में स्थानीय उत्पाद की दुकानें खोली जा रही हैं । वेटिंग लिस्ट को कब किया जा रहा है । मध्यम वर्ग व गरीब वर्ग के लिए सस्ती रात्रि कालीन सेवाएं शुरू की जा रही हैं । इसके लिए ऐसे डिब्बों का निर्माण हो रहा है जिसमें ज्यादा स्लीपर होंगे । वंदे भारत ट्रेनों में भी स्लीपर सुविधा का विस्तार किया जा रहा है । परन्तु इन सबसे बढ़कर जो ज्यादा जरूरी है वह है रेल सेवा में सुरक्षा ताकि यात्री को भरोसा हो कि वह सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंच जायेगा । न्यूजलपाईगुड़ी में हुए रेल हादसे के समय कहते हैं सिग्नल काम नहीं कर रहे थे और स्टेशन मास्टर की लिखित आज्ञा से ट्रेन बढ़ रह थी । शायद 15 मिनट के अंतराल पर दोनों ट्रेनों को आज्ञा देने से यह हादसा हुआ हो । त्रिपुरा से सियालदह जा रही इस ट्रेन में 10-15 यात्री मारे गये हैं और बड़ी संख्या में यात्री घायल हैं । कहते हैं कि इस ट्रेन का ड्राइवर और मालगाड़ी का गार्ड भी मारा गया है ।

रेलवे सेफ्टी के अधिकारी अपने काम में लगे हैं परन्तु इससे मरने वाले वापिस नहीं आयेंगे ।

प्रधानमंत्री जी जैसा ध्यान सभी ओर रखते हैं, उनसे विनती है कि कृपया रेलवे सेफ्टी को लेकर अधिकारियों को कड़ा निर्देश दें ताकि भविष्य में कोई रेल हादसा न हो । सभी की नजर प्रधानमंत्री मोदी जी की ओर आशा भरी हैं और भविष्य में सुखद परिणाम ही आयेगा ।

आपराधिक पृष्ठभूमि के सांसद और हमारी संसद

राकेश कुमार आर्य

यह बहुत ही चिंता का विषय है कि देश की 18 वीं लोकसभा के कुल 543 सदस्यों में से 46त्न सांसद दागी प्रवृत्ति अर्थात आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। पिछली लोकसभा में ऐसे सांसदों की संख्या 43त्न थी। जब राजनीति में शुचिता और अपराधियों के राजनीतिकरण की प्रक्रिया पर रह ङ्क रहकर चर्चाएं की जा रही हों और प्रत्येक राजनीतिक दल इस बात के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त कर रहा हो कि वह राजनीति में शुचिता का पक्षधर है, तब आपराधिक पृष्ठभूमि के जनप्रतिनिधियों के रहते उनके ये दावे कैसे साकार रूप लेंगे ? राजनीति में अपराधियों का होना या अपराधियों में राजनीति का होना, अब यह दोनों बातें चिंतन मंथन का विषय हो चुकी हैं । यदि राजनीतिक दलों के लोगों की गहराई से पड़ताल की जाए तो पता चलता है कि कई लोगों में राजनीति पहले होती है। अपराध बाद में होता है। वे अपराध को इसलिए स्वीकार करते हैं कि इससे मतदाताओं में डर पैदा कर वे जनप्रतिनिधि बनने में सफ्ल हो जाएंगे। कई बार इसलिए भी वह राजनीति में रहकर अपराध को अपनाते हैं कि ऐसा करने से नौकरशाही उनके दबाव में आकर काम करेगी। जिससे वह लोगों की समस्याओं का समाधान करने में सफ्ल होंगे । जिसका लाभ उन्हें चुनाव में मिलेगा। इस प्रकार की प्रवृत्ति लगभग प्रत्येक दल के कार्यकर्ताओं में देखने को मिलती है। जो लोग अपराध के संसार से अपने आप को दूर रखते हैं, छल कपट या इसी प्रकार के घटिया हथकंडों को अपनाने से अपने आप को बचाते हैं, उन भद्र पुरुषों को कभी भी सत्ता के गलियारे उपलब्ध नहीं होते। यदि हो भी जाते हैं तो वह उन गलियारों में अधिक देर टिक नहीं पाते । उन्हें राजनीति धक्का मारकर बाहर भगा देती है। इससे भी दुख की बात यह है कि जब वह सत्ता के गलियारों से बाहर धकियाये जाते हैं तो बाहर खड़ी जनता भी उनका उपहास करती है। कितनी विडंबना है कि जिनकी देश को आवश्यकता है, उन्हें धकियाया जाता है और जो स्वयं जनता जनार्दन को धकियाकर या लतियाकर आगे बढ़ते हैं, उनको फूलमालाएं डाली जाती हैं। क्या बाबा छाप संविधान में ऐसा कहीं लिखा है ?

जिन आपराधिक मानसिकता के लोगों से समाज के लोगों को बचाने के लिए राजनीति का आविष्कार किया गया, यदि वही राजनीति इतनी पापिन हो जाए कि जनसामान्य के अधिकारों का अतिक्रमण करने वाले आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का संरक्षण करने लगे तो सामान्य लोगों के अधिकारों का इस पर क्या प्रभाव पड़ता होगा ? यह बात हम बहुत गंभीरता के साथ कह रहे हैं कि आज की राजनीति समाज की हत्यारिन बन चुकी है। जब किसी एक राजनीतिक दल का बाहुबली या धनबली चुनाव मैदान में उतरता है तो दूसरा राजनीतिक दल उससे भी बड़े बाहुबली को मैदान में उतारता है। इसमें जनता का दोष कम और राजनीति का दोष अधिक है। क्योंकि जनता के लोग तो केवल वोट डालने के लिए आते हैं। उन्हें यह विकल्प नहीं दिया जाता कि इन बदमाशों के सामने कोई भद्रपुरुष भी मैदान में है। विकल्पहीनता की स्थिति में मतदाता कई बार इन बाहुबलियों में से सबसे बड़े बाहुबली को अपने लिए जनप्रतिनिधि बनाकर विधानमंडलों में भेज देते हैं।

इनमें से अधिकांश बाहुबली ऐसे होते हैं जिन्हें संवैधानिक कानून की बारीकियों का कोई ज्ञान नहीं होता। ऐसे लोगों से आप जनप्रतिनिधि के रूप में देश चलाने की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं ?

अब जबकि देश के लोगों से 46त्न जनप्रतिनिधि आपराधिक पृष्ठभूमि के चुनाव में जितवा लिये गए हों तो समझा जा सकता है कि ये जनप्रतिनिधि संसद को किस प्रकार की मानसिकता से समझेंगे और उसमें कैसा आचरण करेंगे ? चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएसन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट हमें बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गए सांसदों में जहां 233 अर्थात 43त्न ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं 18 वीं लोकसभा के लिए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की है। जब देश आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहा हो, तब इतनी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों का आपराधिक पृष्ठभूमि वाला होना बहुत ही चिंताजनक स्थिति पैदा करता है।

लोगों ने आम आदमी पार्टी के केजरीवाल को इस दृष्टि से देखना आरंभ किया था कि वह राजनीति में शुचिता उत्पन्न करेंगे। परन्तु उन्होंने भ्रष्टाचार के सभी कीर्तिमानों को ध्वस्त करने का कीर्तिमान बनाया है । अब उन्हें भी जेल से बेल मिल गई है। बाहर आकर अब वह कौन से गुल खिलाएंगे, यह तो भविष्य ही बताएगा, परन्तु इतना अवश्य है कि वह भोलीभाली जनता की नजरों में धूल झोंकने का प्रयास अवश करेंगे। जिसे सारी राजनीति बेशर्मी से देखती रहेगी । यदि केजरीवाल की नौटंकी को रोकने का प्रयास भी किया गया तो सारी राजनीतिक पार्टियां जनता की नजरों में धूल झोंक रहे केजरीवाल से भी आगे जाकर धूल झोंकने का काम करके उन्हें रोकने का प्रयास करेंगी । कहने का अभिप्राय है कि संवैधानिक और नैतिक नियमों या परंपराओं या लोकतांत्रिक मूल्यों का सहारा न लेकर अलोकतांत्रिक व सर्वथा त्याज्य और निंदनीय उपायों का सहारा लेकर राजनीति जनता की नजरों में धूल झोंकने के केजरीवाल के काले कृत्यों का सामना करेगी।

बात स्पष्ट है कि जो स्वयं कुशासन का प्रतीक बन चुके हों या कुशासन की क्रूर नीतियों में आकंठ डूब चुके हों, उनसे सुशासन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है ? भारत में राजनीति एक सामाजिक तपस्या का नाम है। यह धर्म की सहधर्मिणी के रूप में काम करती है अर्थात सिक्के के एक पहलू का नाम यदि धर्म है तो दूसरे पहलू का नाम राष्ट्रनीति है। राष्ट्रनीति धर्म की अपेक्षा स्थूल है, परंतु 24 घंटे धर्म के अनुकूल आचरण करने से अत्यंत पवित्र हो जाती है। राजनीति की इस पवित्रम अवस्था की खोज भारत के बीते 75 वर्षों से हम करते चले आ रहे हैं। जितना ही हम आगे बढ़ते जा रहे हैं, उतना ही राजनीति के आदर्श और राष्ट्र नीति का धर्म हमसे पीछे छूटता जा रहा है। आज सारी राजनीति के लिए यह बात बहुत विचारणीय है कि हम कहां के लिए चले थे और कहां आकर खड़े हो गए हैं ?

धरती का पल्रय बाढ़ से नहीं आसमान से बरसती आग से

प्रमोद भार्गव

इस बार वैश्विक गर्मी चरम पर है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार बीते वर्ष और पिछले दशक ने धरती पर आग बरसाने का काम किया है।

अमेरिका की पर्यावरण संस्था वैश्विक विटनेस और कोलंबिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पाया है कि तेल और गैस के अधिकतम मात्रा में उत्पादन से ये हालात पैदा हुए हैं। यदि इन ईधनों के उत्सर्जन का यही हाल रहा तो 2050 तक गर्मी चरम पर होगी।

गर्मी से जीव-जगत की क्या स्थिति होगी? अनुमान लगाना भी मुश्किल है। बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसीलिए कहा जा रहा है कि धरती पर पल्रय बाढ़ से नहीं, आसमान से बरसती आग से आएगी। धरती के जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। संकट से निपटने के उपायों को तलाशने के लिए 198 देश जलवायु सम्मेलन करते हैं। इन सम्मेलनों का प्रमुख लक्ष्य रहा है कि दुनिया उस रास्ते पर लौटे, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक स्थिर रखा जा सके लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि कुछ सालों के भीतर गर्मी तापमान की इस सीमा का उल्लंघन कर लेगी क्योंकि इस बार तीन सप्ताह से लगातार गर्मी का तापमान 40 से 55 डिग्री तक बना रहा। दिल्ली में तापमान 52.9 डिगी तक पहुंच चुका है। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के चलते 1000 से ज्यादा हज यात्रियों की मौत हुई है।

इस कदर गर्मी का अनुमान पर्यावरणविद् ने पहले से लगा लिया था। इनकी सलाह पर 100 से ज्यादा देश 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के प्रयास में जुटे हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाने के उपाय सुझाए गए हैं। पर्यावरणविद् के मुताबिक, सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी। नतीजतन, पृथ्वीवासियों को तबाही का सामना करना पड़ेगा।

इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन, जिसे कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है, में पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई। लेकिन लंबे समय से चल रहे रूस और यूक्रेन तथा इस्रइल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंतण्र के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उनमें से कई रूस ने चालू कर लिए हैं।

नवम्बर, 2021 में ग्लासगो वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा परंतु उपरोक्त युद्धों के चलते अनेक देशों ने अपने थर्मल पावर बंद नहीं किए हैं।

बदलते हालात में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। दुनिया में बढ़ती कारें भी गर्मी बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही हैं। 2024 में वैश्विक स्तर पर कारों की संख्या 1.475 बिलियन आंकी जा रही है या प्रत्येक 5.5 व्यक्ति पर एक कार है, जो प्रदूषण फैलाने का काम कर रही हैं। इन पर भी नियंतण्र जरूरी है।

शहर भी तरस रहा है पानी के लिए

दिनेश कुमार

देश में लगातार बढ़ते तापमान के साथ ही पीने के पानी की समस्या भी बढ़ी है. इससे राजधानी दिल्ली और अन्य महानगर भी अछूते नहीं हैं. ऐसी स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी इलाकों में आबाद कच्ची बस्तियों के हालात को बखूबी समझा जा सकता है. जहां आज भी पीने के साफपानी के लिए परिवारों को संघर्ष करना पड़ रहा है. हालांकि 2019 में शुरू हुए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'हर घर नल जल' ने इस समस्या को काफी हद तक कम कर दिया है. जल शक्ति मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार इस योजना के जरिए देश के 19 करोड़ से अधिक घरों में से लगभग 15 करोड़ घरों में नल के कनेक्शन लगाए जा चुके हैं. जो कुल घरों की संख्या का 77.10 प्रतिशत है. मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक देश के 34 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में गोवा, अंडमान और निकोबार, दादर और नागर हवेली तथा दमन और दीव, हरियाणा, तेलंगाना, पुडुचेरी, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम ऐसे राज्य हैं जहां इस योजना के तहत शत प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है. जबकि राजस्थान देश का दूसरा ऐसा राज्य है जहां इस योजना की रफ्तार बहुत कम है. यहां 01,07,04,126 घरों में से मात्र 53,63,522 घरों में नल का कनेक्शन पहुंच सका है. न केवल ग्रामीण क्षेत्रों बल्कि शहर में आबाद कच्ची बस्तियों में भी पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या है. इसकी एक झलक राजधानी जयपुर स्थित बाबा रामदेव नगर कच्ची बस्ती है. शहर से करीब 10 किमी दूर यह बस्ती मुख्य रूप से गुर्जर की थड़ी इलाके में आबाद है.

न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन से 500 मीटर की दूरी पर स्थित इस बस्ती की आबादी लगभग 500 से अधिक है. यहां अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े समुदायों की बहुलता है. जिसमें लोहार, मिरासी, कचरा बीनने वाले,

फ़क़ीर, ढोल बजाने और दिहाड़ी मज़दूरी का काम करने वालों की संख्या अधिक है. इस बस्ती में पीने के साफ़ पानी की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण परिवारों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. इस संबंध में बस्ती की 60 वर्षीय यशोदा लोहार बताती हैं कि मेरे परिवार में 8 सदस्य हैं, जिनके लिए प्रतिदिन पीने के पानी की व्यवस्था बड़ी मुश्किल से होती है. इतनी बड़ी बस्ती में नल की कोई व्यवस्था नहीं है. केवल पानी की एक टंकी है जिसमें सुबह केवल आधे घंटे के लिए जलापूर्ति होती है. जो इतनी बड़ी बस्ती के लिए बहुत कम होता है. ऐसे में हमें गुर्जर की थड़ी इलाके से पानी लाना पड़ता है. इसके लिए मैं और मेरी दोनों बहुएं प्रतिदिन सुबह 4 बजे उठती हैं और घंटों लाइन में लगती हैं. कई बार पानी भरने को लेकर झगड़े भी होते हैं.

वहीं 28 वर्षीय सबिता गरासिया कहती हैं कि चार साल पहले पति और दो छोटे बच्चों के साथ अच्छी मज़दूरी की तलाश में जोधपुर के दूर दराज़ गांव कराणी से बाबा रामदेव नगरबस्ती में आई थीं. लेकिन यहां किसी प्रकार की सुविधाएं नहीं हैं. सबसे अधिक पीने के साफ़पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है. पानी लाने की ज़िम्मेदारी हम महिलाओं की होती है. चाहे बीमार ही क्यूं न हों, इसके लिए हमें रोज़ सवेरे उठना पड़ता है. फिर भी कभी कभी पानी नहीं मिल पाता है. कई बार बच्चे गंदा पानी पीकर बीमार हो जाते हैं. बहुत कठिनाइयों से हम यहां जीवन बसर कर रहे हैं.卐 वहीं काम की तलाश में पांच साल पहले परिवार के साथ झारखंड के सिमडेगा से आए जब्बार कबाड़ी का काम करते हैं. वह कहते हैं कि इस बस्ती में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं है. न तो बिजली का कनेक्शन है और न ही पीने का पानी उपलब्ध है. प्रशासन का कहना है कि यह बस्ती गैर क़ानूनी रूप से आबाद है, इसलिए यहां सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं. हमें ऐसे ही हालात में जीना होगा. विमला कहती हैं कि अक्सर बस्ती के लोग आपस में चंदा इकठ्ठा कर पानी का टैंकर मंगवाते हैं. जिसकी कीमत 700-800 प्रति टैंकर होती है. लेकिन आर्थिक रूप से कमज़ोर होने के कारण प्रतिदिन ऐसा कर नहीं पाते हैं.

पिछले आठ वर्षों से बाबा रामदेव नगर बस्ती में स्वास्थ्य के मुद्दे पर काम कर रहे समाजसेवी अखिलेश मिश्रा यहां का इतिहास बताते हुए कहते हैं कि यह बस्ती करीब 20 से अधिक वर्षों से आबाद है. उस समय यह शहर का बाहरी इलाका माना जाता था. आज बढ़ती आबादी के कारण यह नगर निगम ग्रेटर जयपुर के अधीन आता है. अक्सर लोग इसे योग गुरु बाबा रामदेव के नाम से समझते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि बस्ती वालों के इष्ट देव के नाम से इसका नामकरण हुआ है. वह बताते हैं कि इस बस्ती के बीच से मुख्य सड़क गुज़रती है. सड़क के दाहिनी ओर जहां स्थाई बस्ती आबाद है, वहीं बाई ओर की खाली पड़ी ज़मीन पर अस्थाई बस्ती बसाई जाती है. जिसमें मुख्य रूप से कालबेलिया और अन्य घुमंतू समुदाय के लोग कुछ महीनों के लिए ठहरते हैं और अपने बनाये सामान को शहर में बेच कर वापस लौट जाते हैं. दोनों ही बस्ती में सभी प्रकार की सुविधाओं का अभाव है. यहां पीने के साफ़पानी की कमी के कारण महिलाओं और बच्चों में बहुत सारी बीमारियां फैली रहती हैं. अखिलेश मिश्रा के अनुसार जिस प्रकार लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर निगम की ओर से शौचालय की व्यवस्था की गई है, यदि इसी प्रकार पानी के पर्याप्त आपूर्ति भी कर दी जाए तो यहां की एक बड़ी समस्या हल हो जाएगी.कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (ष्ट्ढ्ढरूढ्ढ) की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में पीने के साफपानी की अपर्याप्त पहुंच के कारण हर वर्ष दो लाख लोगों की मौत हो जाती है. यह आंकड़ा इस बात को इंगित करता है कि राजस्थान में जल जीवन मिशन की रफ़्तार को और तेज़ करना होगा ताकि बाबा रामदेव नगर जैसे आर्थिक और सामजिक रूप से कमज़ोर परिवारों तक भी पीने के साफ़पानी की पहुंच जल्द से जल्द हो सके जिससे कि इस बस्ती के लोगों विशेषकर बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रह सके. आखिर अच्छा स्वास्थ्य पाने का बुनियादी अधिकार सभी को है.

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

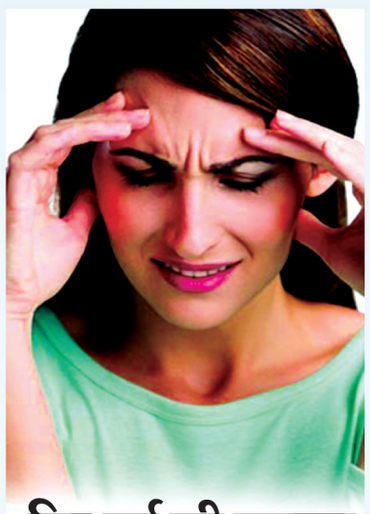

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।
नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

किस तरह के बर्तन में भोजन करते हैं आप, सेहतमंद रहने के लिए जानना बेहद जरूरी

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। वे पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।

न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

जानिए हरे धनिये के फायदे

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारको के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते हैं, जैसे- एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक स्टडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक स्टडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कुर्मीगुंडरा समिति के किसान हो रहे परेशान, सुबह से शाम लग जाता खाद बीज लेने के लिए

पाटन। मानसून के आगमन से किसानों के चेहरे में खुशी देखते बनती है। खेती किसानी की तैयारी में सभी किसान लग गए है। किसान खाद बीज की व्यवस्था सेवा सहकारी समिति के माध्यम से करते है। कुर्मी गुंडरा सेवा सहकारी समिति में कुल चार गांव आते है। यहा के किसान कर्मचारियों की लापरवाही से काफी परेशान है। कोरोना संकट काल में 25 किसानों को खाद बीज देने का नियम बनाया था जिसका पालन आज भी किया जा रहा है। आज भी 25 लोगो को ही खाद बीज वितरण किया जा रहा है। किसान सुबह से ही अपना ऋण पुस्तिका जमा करना चालू कर देते है ।खाद वितरण दोपहर 1 बजे चालू किया जाता। किसान भरी दोपहरी खाद बीज के लिए फिर समिति जाते है। किसान युगल किशोर आडिल ने बताया की इस समिति में 6 कर्मचारी है फिर भी काम समय में नही होता ।कुछ कर्मचारी तो एक पाली गायब ही रहते है । समिति में कीमती सामान और महत्व पूर्ण कागजात है लेकिन रात्रिकालीन चौकीदार नही है। कभी भी चोरी होने का डर है । कुर्मी गुंडरा के किसानों ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से शिकायत कर कर्मचारियों की गतिविधियों पर अंकुश रखने और किसानों को राहत देते हुए ज्यादा से ज्यादा किसानों को खाद बीज वितरण करने की मांग किया है। मांग करने वालो में मुकेश वर्मा सोमन वर्मा तरुण साहू कृष्णा साहू रूपनारायण साहू प्रमुख है।

अग्नि वीर वायु सेना पब्लिसिटी ड्राइव बसना में संपन्न हुआ

बसना (समय दर्शन)। विकासखण्ड मुख्यालय बसना के आत्मानंद विद्यालय प्रांगण में कलेक्टर महासमुंद के निर्देशानुसार अग्निवीर वायु सेना का पब्लिसिटी ड्राइव का आयोजन दिनांक 27 जून 2024 को किया गया।

जिसमें विकास खण्ड के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। ए.ओ. लारी उप संचालक रोजगार के द्वारा कैरियर गाइडेंस पर विस्तृत जानकारी दिया गया। इस दौरान भारतीय वायु सेना के सार्जेंट आनंद राज एवं कार्पोरेट रोहित शर्मा के द्वारा अग्निवीर वायु सेना के विभिन्न विभागों की जानकारी प्रदान की गयी। उपस्थित सभी युवकों को भर्ती प्रक्रिया, मिलने वाले लाभ, शारीरिक मापदण्ड आदि विषयक जानकारी दिया गया,उनहोंने ने आगे बताया कि, वायु सेना में जुड़कर जीवन को कैसे अनुशासित एवं गौरवशाली बनाया जा सकता है। इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी और पुरस्कार के माध्यम से युवाओं को प्रेरित कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जे. आर. डहरिया, सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, सेजेस बसना के प्राचार्य खिरोद्र पुरोहित, शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खे प्राचार्य एस. के पटेल, बलदेव मिश्रा, गजानन भोई, पीटीआई इमरान दयाला, दुर्योधन पटेल, भूपेन्द्र प्रधान, घनश्याम पटेल, अरुण कुजुर, रुपधर पटेल विभिन्न स्कूलों के शिक्षक एवं पालकगण उपस्थित थे । कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता एस. के. कर द्वारा किया गया।

डीईओ ने अनुकम्पा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की छानबीन के क्रम में सात दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। फिलहाल 2 आवेदकों ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किये हैं।डीईओ ने बताया कि कोटा विकासखण्ड के शासकीय नवापारा मोहदा में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री राजेश्वर सिंह पैकरा के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती उत्तरा पैकरा एवं बिल्हा विकासखण्ड के शासकीय हाई स्कूल बसहा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत स्व. श्री संतोष कुमार श्याम के परिवार से उनके पुत्र श्री सिद्धार्थ सिंह श्याम ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आमजनों की जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे सात दिवस के भीतर पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कक्ष क्र. 25, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के जरिए जानकारी दे सकते हैं ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को ही अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

आंगनबाड़ी सहायिका की सूची जारी दावा आपत्ति 12 जुलाई तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना सकरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र सैदा 2 में सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए दावा आपत्ति 3 जुलाई से 12 जुलाई 2024 तक मंगाये गये है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 12 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना सकरी में प्रस्तुत किये जा सकते है।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक, एसडीएम ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बागबाहरा (समय दर्शन)। शिक्षा विभाग का बागबाहरा एस डी एम श्रीमती सृष्टि चन्द्राकर की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।बैठक में फ़क़ीरचरण पटेल सीईओ जनपद पंचायत बागबाहरा ,लीलाधर कंवर तहसीलदार बागबाहरा ,नंदनी वर्मा अतिरिक्त तहसीलदार बागबाहरा,के के वर्मा बीईओ ,केवलराम टंडन बीआरसी, रामता मन्नाडे एबीईओ ने विभागीय कार्यकर्मो की वार्षिक रूपरेखा पर बारी -बारी से चर्चा की एवम आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सर्वप्रथम विकासखंड बागबाहरा के विभिन्न हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्यों, प्राथमिक शाला ,पूर्व माध्यमिक शालाओ से आये हुए प्रधानपाठको एवम संकुल समन्वयकों को संबोधित करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बागबाहरा सृष्टि चन्द्राकर ने कहा कि शिक्षण सत्र 2024-25 में शाला की सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त करें और विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो।शाला प्रवेशोत्सव में शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ,जनप्रतिनिधियों एवम पालकों की उपस्थिति में

नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक और गणवेश का वितरण किया जावे।उन्होने पात्र विद्यार्थियों के दस्तावेज एकत्रीकरण कर शत प्रतिशत जाति प्रमाणपत्र बनाने हेतु परिणाममूलक प्रयास करने के निर्देश समस्त संस्था प्रमुखों एवम संकुल समन्वयकों को दिए। एसडीएम ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कसेकेरा की स्वच्छता ,रेस्ट रूम ,आई सी टी कक्ष एवम कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से बनाये गए गमलों एवम सहायक शिक्षण सामग्री की प्रशंसा की।उन्होंने कसेकेरा के संस्था प्रमुख डॉ विजय शर्मा ,संकुल प्राचार्य पवन कुमार चक्रधारी एवम संकुल समन्यवक मनीष अवसरिया के प्रयासों की सराहना की । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बागबाहरा फ़क़ीरचरण पटेल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अतिरिक्त कक्ष और शौचालय निर्माण हेतु मनरेगा मद से राशि स्वीकृत की जाएगी।आवश्यकता वाले स्कुलो के प्रधानपाठक प्रस्ताव बनाकर देवे।ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की संख्या को शून्य करने के लिए पंचायत वार अभियान चलाने की जानकारी सीईओ जनपद बागबाहरा के द्वारा दी गयी।विकासखंड शिक्षा अधिकारी बागबाहरा कौशल कुमार वर्मा ने शिक्षको की स्कूलो में उपस्थिति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक व विद्यार्थियों के नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने पर ही अच्छे परीक्षा परिणाम की उम्मीद की जा सकती है।बीआरसी केवलराम टंडन ने बुनियादी साक्षरता एवम संख्याज्ञान के आधार पर प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को मूलभूत शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्यार्थी विकास सूचकांक की फ़ाइल बनाने एवम उन्हें शाला की विभिन्न कक्षाओं की दीवाल पर चस्पा करने की बात कही।सुबोध कुमार तिवारी प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल नर्रा ने बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु अपने जशपुर दौरे के अनुभवों को सभी संस्था प्रमुखों के साथ साझा किया।उन्होंने पूर्व माध्यमिक शाला के संस्था प्रमुखो से इंस्पायर अवार्ड हेतु प्रत्येक विद्यालय से न्युनतम पांच विद्यार्थियों के नाम अनिवार्य रूप से ऑनलाइन करने की अपील की।सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामता डे ने नवीन सत्र शुभारम्भ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालयों की मूलभूत व्यवस्था दुरुस्त हो।शालेय अभिलेख पूर्ण करें।उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की नोडल अधिकारी बद्रिका ध्रुव ने असाक्षरों की ऑनलाइन एंट्री करने हेतु संस्था प्रमुखो से आग्रह किया।उक्त समीक्षा बैठक में विगत 5 वर्षों से नवोदय एवम प्रयास विद्यालय के प्रवेश परीक्षाओ की तैयारी करवा रहे सुपर 40 ग्रुप के सेवाभावी शिक्षकों को मोमेंटो एवम प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गौरव पथ में भ्रष्टाचार, अघोषित बिजली कटौती, अमृत मिशन में लेट लतीफी को लेकर भूख हड़ताल में बैठी विधायक चातुरी नंद

विधायक का ऐलान, 15 दिन में समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर करेंगी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

सरायपाली (समय दर्शन)। विधायक चातुरी नंद सरायपाली नगर में निर्माणाधीन गौरव पथ निर्माण में की जा रहे गुणवत्ताहीन कार्य, क्षेत्र में हो रही अघोषित बिजली कटौती और अमृत जल जीवन मिशन के कार्य में हो रही लेट लतीफी को लेकर एक दिवसीय भूख हड़ताल पर रही।

विधायक चातुरी नंद आमरण अनशन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में 41 करोड़ रुपए से स्वीकृत ये गौरव पथ आज भ्रष्टाचार पथ बन गया है। ठेकेदार और नगर पालिका के अधिकारियों के मनमानी से पूरा शहर हलाकान है।

उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन गौरव पथ में ठेकेदार द्वारा नगर पालिका के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर भारी अनियमितता बरती जा रही है, नाली नहीं ढकने से राहगीर और नगरवासी आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रही है। गौरव पथ के डिवाइडर की ऊंचाई कम करके जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

विधायक नंद ने क्षेत्र में हो रही अघोषित बिजली कटौती को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मोहनमुड़ा, मोहदा समेत कई गांवों में 8 से 10 दिनों से बिजली बंद है लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी नींद में सोए हुए है।

उन्होंने कहा कि इसी क्षेत्र की पेयजल संकट को दूर करने कांग्रेस शासनकाल में अमृत जल जीवन मिशन के तहत 126 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है परंतु अब तक काम शुरू नहीं हो पा रहा है जिससे आमजन परेशान है।

कार्यक्रम को वरिष्ठ कांग्रेस नेता विश्वनाथ नायक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमृत पटेल, कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष लीला कांत पटेल, आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहन लाल भोई, जिला महामंत्री जयंत चौधरी, सरायपाली ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पुष्पेंद्र पटेल, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आर एन आदित्य, भंवरपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र सिदार, पूर्व मंडी अध्यक्ष सीता पटेल, कांग्रेस प्रदेश सचिव दीपांजलि बारीक, रिमजी सरपंच साधराम पटेल, अरजुंडा सरपंच चित्रसेन बीसी, गोपाल अग्रवाल, शंभू चौहान, पिंगल गार्डिया, शुरू पाणिग्रही, पार्षद सुरेश भोई, मोहम्मद शाहिद, युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष भरत मेश्राम, एनएसयूआई अध्यक्ष भीष्म पटेल, दीपक साहू, पंकज पटेल, पूजा तिवारी, हेमा श्रीवास, तन्मय पंडा, रमेश पटेल, घसिया सिदार, पदमलोचन पटेल, महेंद्र वैष्णव, श्रवण पटेल, संतलाल बारीक, फिरोज खान, श्रीराम मानिकपुरी, तिरिथ बाई मानिकपुरी, क्षमानिधि साहू,, सत्या भोई, नरेंद्र साहू, रामदयाल पटेल, प्रभात पटेल, मनोज पटेल, नीलांबर सोनी, प्रमोद ग्वाल, परशु चौहान, कमला साहू, बबलू पटेल, मोहसिन मेमन, करण पटेल, भोजराम साहू, नसीब खान, आरिफ अली पिंकी, केशव अग्रवाल,रोशन नाग एनएसयूआई प्रदेश सह संयोजक जयंत यादव, दुष्यंत साहू, विभीषण चौहान समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन संतलाल भोई और आभार प्रदर्शन अमृत पटेल ने किया।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन- विधायक चातुरी नंद ने मुख्य सचिव के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने गौरव पथ निर्माण की जांच राज्य स्तर की टीम से कराने, अघोषित बिजली कटौती बंद करने और बिगड़े ट्रांसफार्मर को सुधारने, ने ट्रांसफार्मर लगाने और अमृत जल जीवन मिशन के काम को जल्द शुरू करने का मांग सौंपा है।

15 दिवस के अल्टीमेटम- विधायक चातुरी नंद ने शासन प्रशासन को 15 दिवस के भीतर समस्याओं के निराकरण नहीं होने पर अनिश्चित कालीन आमरण अनशन करने का अल्टीमेटम दिया है।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष ने किया समर्थन- भूख हड़ताल में बैठी क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद का छग चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने भी समर्थन दिया। उन्होंने विधायक के मांगो को जायज बताते हुए जल्द ही उसके निराकरण करने की बात कही।

संतोषी साहू को अब मिलेगा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ

कलेक्टर ने संतोषी साहू को राशन कार्ड, आधार कार्ड, युडीआईडी, बस-पास और व्हीलचेयर प्रदाय किया

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिले के नगर पंचायत कोपरा निवासी कुमारी संतोषी साहू जो कि जन्म से ही अस्थि बाधित (बौनापन) 100 प्रतिशत दिव्यांग है। संतोषी साहू अपना आधार कार्ड बनाने के लिए आधार सेंटर जाती तो उनका शरीर एवं हाथ बौनापन से छोटे-छोटे होने के कारण उनका आधार कार्ड बनाने के लिए किये गये रजिस्ट्रेशन बार-बार रिजेक्ट हो जाता था। जिस कारण संतोषी का आधार कार्ड नहीं बन पा रहा था,जिसके कारण उन्हें पात्रता होने के उपरांत भी शासन के अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस पर उनके पालकों ने जिला कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर दीपक अग्रवाल को अपनी समस्या रखी,जिस पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने संतोषी साहू की समस्या को तत्काल संज्ञान मे लेकर संबंधित विभाग के शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे।जिस पर अधिकारियों ने उनकी समस्या को देखते हुए संतोषी के लिए आधार कार्ड के साथ-साथ मेडिकल प्रमाण पत्र,यूडीआईडी कार्ड,राशन कार्ड, नि:शुल्क बस यात्रा पास तथा आने-जाने के लिए व्हीलचेयर प्रदाय किया गया।संतोषी अब शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा पायेगी,राशन दुकान से अब उन्हें राशन सामग्री मिलेगा,आने जाने हेतु व्हीलचेयर मिलने से उन्हें सुविधा होगी। तथा बस पर नि:शुल्क यात्रा कर पायेगी।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जिला प्रशासन यातायात व पुलिस विभाग द्वारा निशुल्क हेलमेट वितरण

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोगो में यातायात के प्रति जागरूकता लाने और मोटरसाइकल चालको को हेलमेट लगाने के लिए जागरूकता लाने जिला प्रशासन यातायात व पुलिस विभाग द्वारा निशुल्क हेलमेट वितरण कर लोगो को प्रोत्साहित किया गया।ज्ञात हो कि सड़क दुर्घटना में कमी लाने समय समय पर यातायात व पुलिस विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा के तहत भिन्न भिन्न कार्यक्रम आयोजित कर लोगो को यातायात के प्रति जागरूक किया जाता है।इसी तरह शुक्रवार के दोपहर में रावण भाटा मैदान के सामने कलेक्टर दीपक अग्रवाल, एडिशनल एसपी जितेंद्र चंद्राकर,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस निशा सिंहा, नोडल अधिकारी एसडीओपी पुलिस गोपाल वैश्य, कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश यादव आरटीओ अधिकारी रविंद्र ठाकुर,पुलिस यातायात प्रभारी रामाधर मरकाम की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा की आज के समय में सड़के चौड़ी हो गई साथ ही तेज चलने वाली मोटर साइकल बाजार में आ गया है,वही युवा वर्ग के लोग मोटासायकल तेज चलाते है जिससे मोटरसाइकल चालक तो दुर्घटना का शिकार होते ही है वही सामने धीरे चल रहे मोटरसाइकल चालक भी तेज गति से आ रही मोटरसाइकल का शिकार हो जाते है।

नए कानूनों की जानकारी आवश्यक - कलेक्टर

नवीन न्याय संहिता दंड से न्याय की ओर पर केन्द्रित - अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 1 जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 होंगे प्रभावी

महासमुंद (समय दर्शन)। कलेक्टर प्रभात मलिक ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला अधिकारियों एवं पुलिस को नवीन कानूनों के संबंध में जागरूकता हेतु जानकारी दी गई। कलेक्टर मलिक ने कहा कि 01 जुलाई से भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 प्रभावी होंगे। पुराने कानून को प्रासंगिक बनाने के लिए एवं निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का समाधान करने के लिए परिवर्तन किया गया है। इस बदलाव से दण्ड से न्याय की ओर की भावना को ध्यान में रखते हुए सबके मानव अधिकारों का भी ध्यान रखा गया है। नए कानूनों के संबंध में हम सबको जानकारी आवश्यक है ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसकी भलीभांति समझ हो। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण के लिए समय निर्धारित किया गया है। पीड़ित पक्ष को ध्यान में रखा गया है। शीघ्र निराकरण होने से दोनों पक्षों के लिए राहत है। इससे सभी नागरिकों को लाभ मिलेगा। दोषी अपराधियों को सजा जल्दी मिलेगी। जिससे समाज में एक अच्छा प्रभाव एवं परिवर्तन दिखाई देगा। पीड़ित पक्ष को न्याय जल्दी मिलेगा। यह कानून सभी नागरिकों तक पहुंच सकें। इसके लिए लगातार जानकारी दी जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रतिभा पांडेय ने बताया कि कानूनों में एकरूपता लाने के लिए नया कानून लाया गया है। 7 वर्ष से ज्यादा सजा की अवधि के अपराधों में न्याय दल गठित किया जाएगा तथा साक्ष्य एकत्रित करने के बाद विश्लेषण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रकरणों के निराकरण के लिए नये कानूनों में समय का निर्धारण किया गया है। पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए है। विशेषकर आपराधिक मामलों में तलाशी एवं जप्ती के दौरान फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से की जाएगी। इन कानूनों के संबंध में नागरिकों को

जानकारी होना चाहिए। नये कानून में आरोपियों के लिए नये प्रावधान किए गए हैं। सभी के लिए आवश्यक है कि स्वयं भी इन कानूनों को समझें तथा दूसरों को भी जागरूक करें। पीड़ित पक्ष को न्याय समय पर मिले। पुलिस समय पर विवेचना करें, इसके लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। पुलिस, विवेचक, प्रार्थी, गवाह, पीड़ित सबके लिए एक अच्छा परिवर्तन है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2024 से कानून लागू होने के बाद कोई भी अपराध होने पर नये कानून के अंतर्गत घटना या अपराध पंजीबद्ध होगा। इसके अंतर्गत अपराधों के लिए न्याय व्यवस्था अंतर्गत यह व्यवस्था की गई है कि निर्धारित समय में उनका निराकरण हो सके। इसी तरह पुलिस एवं न्यायालय के लिए तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक रिपोर्ट समय पर देना होगा। इसमें पीड़ित पक्ष, आरोपी पक्ष सभी को फायदा होगा। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए पूरी प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है। एफआईआर की प्रक्रिया, एफआईआर के निर्णय सभी डिजिटल फॉर्म में होंगे। सामाजिक-आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से सभी नागरिक अलग-अलग स्थानों में रहते हैं। ऐसी स्थिति में दस्तावेज डिजिटल होने से फायदा मिलेगा।

कार्यशाला में उप संचालक लोक अभियोजन आशीष कुमार सिन्हा एवं सहायक संचालक लोक अभियोजन घनश्याम पांडेय ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नए कानूनों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ई-एफआईआर के लिए फोन, ई-मेल, व्हाट्सएप के माध्यम से अपराध घटित होने की सूचना दे सकते हैं। अब इसके लिए जवाबदेही तय हो जाएगी। प्रार्थी को संबंधित थाने में जाकर हस्ताक्षर कर एफआईआर दर्ज करानी होगी। थाना प्रभारी या विवेचक को जांच की जरूरत लगने पर एसडीओपी या सीएसपी की लिखित अनुमति के बाद जांच होगी। झूठी शिकायत से बचने के लिए तीन दिवस में पुलिस अधिकारी जांच करेंगे तथा गंभीर मुद्दा होने पर एफआईआर दर्ज होगी तथा विधिवत प्रकरण की विवेचना की जाएगी। यह महत्वपूर्ण है कि डिजिटल फॉर्म में शिकायतों को लेने से धीरे-धीरे विश्वसनीयता बढ़ेगी। ज्यादातर अपराधों में समय पर चालान पेश होते हैं। उन्होंने बताया कि 90 दिवस से ज्यादा होने पर विवेचक को इसके संबंध में कारण बताना होगा और विवेचक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। प्रकरणों के निराकरण के लिए नये कानूनों में समय अवधि निर्धारित की गई है, जो महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आईपीसी अंतर्गत पहले बच्चियों से संबंधित था, जिसे अब बालक एवं बालिकाओं के लिए किया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि नये कानून के अंतर्गत पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भी समय का निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि अर्थदण्ड में परिवर्तन करते हुए वृद्धि की गई है, जो कि प्रासंगिक एवं सामयिक है। इसके साथ ही अपराधियों के लिए सामाजिक सेवा की बात की गई है। नये टेक्नोलाजी को अपनाने से कार्य सुगम होंगे तथा अपराधियों को समय पर दण्ड मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक टीम एवं साक्ष्य से संबंधित प्रावधान महत्वपूर्ण है। बच्चों एवं महिलाओं के खिलाफ आरोप होने पर कड़ी सजा का प्रावधान है, इसे गंभीरता से लिया गया है।

एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के इक्विटी शेयरों का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 03 जुलाई, 2024 को खुलेगा

मुंबई। एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (कंपनी) बुधवार, 03 जुलाई, 2024 को इक्विटी शेयरों (ऑफ़र) का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बिडिंग/ऑफर की अवधि, बिडिंग/ऑफर खुलने की तिथि (मंगलवार, 02 जुलाई, 2024) से एक कार्य दिवस पहले है। बोली/ऑफ़र समापन तिथि शुक्रवार, 05 जुलाई, 2024 को होगी। ऑफ़र का मूल्य बैंड 960 प्रति इक्विटी शेयर से 1008 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 14 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 14 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं। एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (कंपनी) के 10 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों (इक्विटी शेयर) की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश नकद प्रति इक्विटी शेयर (प्रति इक्विटी शेयर के शेयर प्रीमियम सहित) (ऑफ़र मूल्य) पर की जाएगी। कुल मिलाकर मिलियन तक (प्रस्ताव) जिसमें कंपनी द्वारा 10 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम शामिल है, जो कुल मिलाकर 8,000.00 मिलियन तक है।

बंसल वायर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का रु. 7,450 मिलियन का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम बुधवार, 3 जुलाई, 2024 को खुलेगा

नईदिल्ली। बंसल वायर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बंसल वायर या कंपनी), इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में अपनी बोली/निर्गम बुधवार, 3 जुलाई, 2024 को खोलेगी। प्रत्येक अंकित मूल्य रु. 5 इक्विटी शेयरों के कुल निर्गम आकार में रु. 7,450 मिलियन तक का फ्रेश इश्यू शामिल है (कुल निर्गम आकार)। एंकर निवेशक बोली की तिथि मंगलवार, 2 जुलाई, 2024 होगी। बोली/निर्गम बुधवार, 3 जुलाई, 2024 को खुलेगा और शुक्रवार, 5 जुलाई, 2024 को बंद होगा। निर्गम का प्राइस बैंड रु. 243 से रु. 256 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 58 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 58 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। कंपनी इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग (ए) हमारी कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के सभी या हिस्से का पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान करने के लिए करने का प्रस्ताव करती है, जिसका अनुमान रु. 4526.83 मिलियन है; (बी) हमारी सहायक कंपनी में इसके कुछ बकाया उधारों के सभी या हिस्से का पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान करने के लिए निवेश, जिसका अनुमान रु. 937.08 मिलियन है।

जनता की समस्याओं का निराकरण करने विधायक भावना बोहरा ने कुंडा में किया छठवें जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र का शुभारम्भ

रणवीरपुर के जन दर्शन में विधायक भावना ने जनता की समस्या सुनी व को तत्काल निराकरण हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

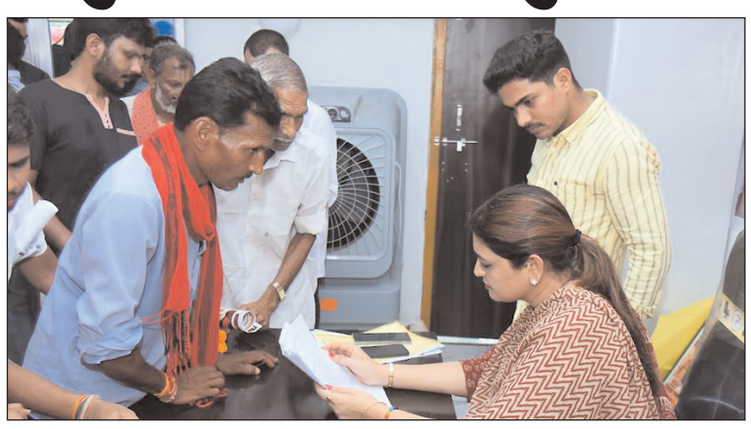

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा चुनाव के पूर्व भावना दीदी की गारंटी में जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास हेतु जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र की स्थापना करने का संकल्प किया था। आज उनका यह संकल्प सिद्धि की ओर अग्रसर है। पंडरिया विधानसभा की जनता के समस्याओं का निराकरण करने विधायक भावना बोहरा ने गुरुवार को कुंडा में छठवें जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र का शुभारम्भ किया। एक जनप्रतिनिधि द्वारा जनता से किये अपने वादे को पूरा करने के लिए भावना बोहरा की सक्रियता की सराहना आज पूरे विधानसभा की जनता कर रही है। इसके पूर्व वनांचल क्षेत्र कुकदुर, पंडरिया, पांडातराई, रणवीरपुर एवं इंदौरी में इस केंद्र की शुरुआत हो चुकी है।

विधायक भावना द्वारा लगातार जन दर्शन कार्यक्रम में जनता की विभिन्न समस्याओं से रुबरु हो रहीं हैं। रणवीरपुर के समरसता भवन में आयोजित जन दर्शन कार्यक्रम में विधायक भावना ने जनता की समस्याओं सुनीं और प्राथमिकता के साथ उसके उचित निवारण हेतु शिविर में उपस्थित सभी विभाग के अधिकारियों को तत्काल निर्देशित किया। इसके पूर्व भी विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में इस कार्यक्रम के माध्यम से लगातार जनता के बीच जाकर वे उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं से अवगत हो रहीं हैं साथ ही उसका समाधान कर रहीं हैं। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आने वाले समय में भी ऐसे कार्यक्रम का लगातार आयोजन किया जाएगा और जनता से सीधे संवाद कर उनकी हर दुविधाओं का समाधान करने के लिए हमारा प्रयास जारी रहेगा। केंद्र शुभारम्भ पर भावना ने कहा कि आज ग्राम कुंडा में हमने जनसेवा ही भावना केंद्र का शुभारम्भ कर जनता की सेवा में समर्पित किया है और मुझे विश्वास है कि इस केंद्र की स्थापना से क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाओं के साथ ही उनकी मूलभूत समस्याओं का भी त्वरित निवारण होगा। सर्वे भवन्तु सुखिन: हमारी भारतीय संस्कृति व परंपरा रही है और इसी उद्देश्य को सार्थक करने का प्रयास करते हुए हमने जनता की समस्यों,दुविधाओं का निराकरण करने के साथ ही उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके और क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव हमें प्राप्त हो सके इसके लिए हमने इस केंद्र की स्थापना की है। उन्होने कहा कि कुंडा क्षेत्र की जनता को अपनी समस्या लेकर जिला कार्यालय जाना नहीं पड़ेगा। उनकी सभी समयाएं की असुविधा से नहीं उठानी पड़ेगी और उनके गाँव के समीप ही हर समस्याओं का निराकरण त्वरित रूप से हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि 6 स्थानों में हमने इस केंद्र की स्थापना कर दी है जहाँ कार्य भी शुरू हो चुका है। इसके साथ ही जन दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से भी जनता के बीच पहुंचकर उनकी आकाँक्षाओं व समस्याओं को सुनकर उसे दूर करने के लिए भी हम निरंतर प्रयास कर रहें हैं, जिसमें जनता का भरपूर सहयोग व मार्गदर्शन भी हमें प्राप्त हो रहा है।

विधायक भावना ने कहा कि पंडरिया विधानसभा का सर्वांगीण, विकास, मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और केंद्र व छत्तीसगढ़ की डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा जनहित में संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन तथा जनता को उसका लाभ मिल सके इसके लिए हम अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखेंगे। हाल ही हमने क्षेत्रवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी भावना दीदी की गारंटी में निशुल्क एम्बुलेंस की सेवा का जो संकल्प किया था उसे जनता के आशीर्वाद और मार्गदर्शन के साथ ही कुल 8 एम्बुलेंस की निशुल्क सेवा हमने शुरू की है, जिससे क्षेत्रवासियों को आपातकालीन परिस्थिति में व गर्भवती माताओं-बहनों को भी अस्पताल आने-जाने की सुविधा मिल रही है।

नौ वर्षीय मासूम डोनिश का अपहरण कर हत्या करने वाले तीनों हत्यारे को आजीवन सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा

तीस लाख रुपए के फिरौती की थी योजना।

कवर्धा (समय दर्शन)। नौ वर्षीय मासूम बालक हिमांशु उर्फ डोनिश राणा का अपहरण कर तीन क्रूर हत्यारों ने उसकी निर्मम हत्या कर दी। माननीय न्यायालय ने विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाते हुए यशवंत पाली और कोमल एवं हेमंत पाली तीनों हत्यारों को आजीवन कारावास और 2500 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। सहसपुर लोहारा की इस घटना दिनांक 26 दिसंबर 2019 को हिमांशु उर्फ डोनिश राणा 9 वर्ष बैडमिंटन खेलने घर से निकला। इसके बाद शाम तक वह घर वापस नहीं आया। तब पिता कुशल राणा अपने छोटे पुत्र हिमांशु की तलाश में जुट गए। लेकिन कोई पता नहीं चलने पर उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट स.लोहारा पुलिस में की गई। हिमांशु उर्फ डोनिश का आस पास तथा रिश्तेदारों में पता करने पर भी कुछ पता नहीं चल रहा था। पूरे छग की पुलिस डोनिश राणा की तलाश में जुटी रही किन्तु कुछ पता नहीं चल रहा था। पुलिस जांच के दौरान करीब 35 दिन बाद आरोपीगण को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ किया तब तीनों आरोपी ने डोनिश का अपहरण के बाद हत्या करना व उसके शव को ग्राम टाटावाही के घुरूवा गढ्ढ़ा में छिपा देना बताया।

आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि तीनों मिलकर योजना के अनुसार डोनिश राणा को शाम के समय बेडमिंटन खेलने बहला फुसलाकर ग्राम के स्कूल ले गए और स्कूल में डोनिश राणा के मुंह में टेप चिपकाने पर वह चिल्लाने लगा। तब गमछा से उसका गला घोटकर तथा सिर पर पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दिए। आरोपीगण बताए थे कि कुशल राणा से हिमांशु उर्फ डोनिश राणा के अपहरण के बदले 30 लाख रुपए वसूल करने के उद्देश्य से हिमांशु उर्फ डोनिश राणा का अपहरण कर लिया था और उसकी हत्या कर उसके शव को बोरी में भरकर तथा कंबल से लपेटकर मोटर सायकल से सुनसान रास्ता होते हुए ग्राम टाटावाही गांव के बाहर घुरूवा गढ्ढ़ा में छिपा दिया था। आरोपीगण के बताये अनुसार पुलिस ने कार्यवाही करते हुए शव व अन्य साक्ष्य जुटाई।

घटनास्थल पहुंचकर घटनास्थल स्कूल से पत्थर एवं बेडमिंटन का चिड़िया जप्त किया उसके पश्चात् आरोपीगण जिस रास्ते से हिमांशु उर्फ डोनिश राणा के शव को टाटावाही घुरूवा गढ्ढ़ा में ले जाकर छिपा दिये थे उस रास्ते से होते हुए ग्राम टाटावाही के घुरूवा गढ्ढ़ा में आरोपीगण के बताये अनुसार मृतक हिमांशु उर्फ डोनिश राणा के घटना के समय पहने कपड़े तथा घटना में प्रयुक्त गमछा, कम्बल, बोरी सेलोटेप हिमांशु उर्फ डोनेश राणा के हड्डी अवशेष तथा एक आरोपी से घटना के समय पहने शर्ट को जप्त किया।

विवेचना पूरी होने के बाद थाना सहसपुर लोहारा पुलिस ने आरोपीगण के विरूद्ध अभियोग पत्र माननीय विशेष न्यायालय कबीरधाम के समक्ष विचारण हेतु पेश किया। माननीय विशेष न्यायाधीश श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे कबीरधाम ने दोनो पक्षों का बहस सुनने के पश्चात् तथा प्रकरण में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर आरोपीगण यशवंत पाली, कोमल उर्फ छोटू पाली, आरोपी हेमन उर्फ हेमंत पाली को धारा 363 व 201 के तहत् 7, 7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500, 500/- रू. अर्थदण्ड, धारा 120 (बी), धारा 302, धारा 3 (2) (ट) एट्रोसीटी एक्ट के तहत् आजीवन करावास एवं 500, 500/- रू. अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई है।

लोक अभियोजक संतोष कुमार देवांगन ने बताया कि थाना स.लोहारा के अप.क. 198/2019, धारा 363, 302, 120बी, 201, सहपठित धारा 34 भा.द.वि. एवं धारा 3 (2) (अ) एट्रोसीटी एक्ट, आरोपी यशवंत पाली एवं कोमल एवं हेमंत पाली को अपहरण कर हत्या तथा शव को छिपाने के आरोप में आजीवन कारावास तथा प्रत्येक धाराओं में 500/500/- रू. के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। लोक अभियोजक श्री देवांगन ने इस घटना को कवर्धा जिले के अत्यंत दुखदायी एवं महत्वपूर्ण घटना बताते हुए कहा कि घटना में 09 वर्षीय बालक हिमांशु उर्फ डोनिश राणा का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई।

'जनसमस्या निवारण शिविर से सैकड़ों हितग्राही लाभान्वित हुए

आयुष्मान कार्ड व लर्निंग लायसेंस बनवाने लगी भीड़।

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा 26 जून को अंबेडकर चौक स्थित वीर सावरकर भवन में जनससमया निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड क्रं. 09, 10, 11 एवं 20 के निवासियों से मूलभूत समस्या व अन्य योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए गए। परिवहन विभाग को लायसेंस बनाने के लिए 120 आवेदन मिले, तो 130 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड का लाभ दिया गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार कवर्धा शहर के सभी वार्ड के हितग्राहियों हेतु जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर नगर पालिका क्षेत्र में निवासरत परिवारों की समस्याओं से रूबरू होने उनके नजदीक वार्ड तक, मोहल्ला तक घर-घर जाकर उनकी समस्याओं को समझने व उसका निराकरण करने का प्रयास करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाना है। नगर पालिका की जनप्रतिनिधि टीम, नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी टीम व खाद्य विभाग, नजूल विभाग, श्रम विभाग, परिवहन विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन की संयुक्त टीम के साथ मिलकर कार्य योजना तैयार करते हुए 23 जून से 08 जुलाई तक वार्डो में सुबह 11 बजे से सायं 5 बजे तक जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन विभिन्न चिन्हांकित स्थलों में किया जा रहा है।

'हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ'- नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन कराया जा रहा है जिसमें आज 26 जून को वीर सावरकर भवन में विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग 10 आवेदन, राशनकार्ड हेतु 51 आवेदन, पेंशन हेतु 02, जन्म मृत्यु आवेदन 03, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 3, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 6, श्रम विभाग पंजीयन 49, आयुष्मान कार्ड 130, हेल्थ चेकअप 40, आधार, राजस्व विभाग आय जाति निवास 41, विद्युत विभाग 15, कृषि विभाग 3, परिवहन विभाग 120, नजूल विभाग 55, लोक निर्माण विभाग नगर पालिका 13, राजस्व विभाग नगर पालिका 02 आवेदन प्राप्त हुए। आगामी जनसमस्या निवारण शिविर दिनांक 29.06.2024 को वार्ड क्रं. 12, 13, 14, 15 को स्थान-आत्मानंद विद्यालय कचहरी पारा में लगाया जाएगा। जनसमस्या निवारण शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, जिला भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, शहर मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, सभापति व पार्षद उमंग पांडे, जिला भाजपा वरिष्ठ निर्मल द्विवेद्वी, भूपेन्द्र सिंह, भाजयुमो सौरभ शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा, कार्यपालन अभियंता एम.एल. कुर्रे सहित अधिक संख्या में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण व हितग्राहीजन उपस्थित थे।

।। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, जिला दुर्ग ।।

// उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र. 202402103300026/ अ-6/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.क्र 202402103300026/अ-6 वर्ष 2023-24 आवेदिका शैलेन्द्री बाई यादव पति स्व. महेश यादव निवासी- अंजोरा (ख), तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम अंजोरा (ख) प.ह.नं. 24 रा.नि.म. अंजोरा (ख) मे पटटा क्रमांक 0583082 बना हुआ है, जो कि आवेदिका के पति स्व. महेश यादव के नाम पर है, जो तहसील दुर्ग से जारी हुआ है, पूर्व में आवेदिका के पति महेश यादव की मृत्यु हो चुकी है, उक्त आवेदन में पट्टा कंमाक 0583082 को वर्तमान में आवेदिका अपना नाम स्थानांतरण हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 09/07/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 26/06/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक-26/06/2024
सुनवाई दिनांक-09/07/2024

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग

मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202406101000112

विषय:- ब-121, मामले की श्रेणी:राजस्व
सन:- 2023-2024
कोहका प.ह.न. 00045 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- सरदार हजारा सिंह चावला.
अनावेदक पक्षकार -

// ईश्तहार //

आवेदक - सरदार हजारा सिंह चावला पिता/पति/विभाग-स्व. सरदार अमर सिंह पता- गुरुनानक नगर दुर्ग द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.न. 8532 रकबा 0.02 हे. भूमिस्वमी हक में दर्ज है. का मूल ऋण पुस्तिका गुम जाने के करण द्वितीय प्रति ऋणपुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.07.2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है । समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/06/2024 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

// उद्घोषणा //

प.नं. 202406100400372/अ-2/ 2023-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका चन्द्रशेखर साहू आ./पति श्यामचरण साहू निवासी सिकोला भाठा दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.नं. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 52/125 रकबा 0.0170 हे. 1800 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अनुविभागीये अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

मुहर

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क./ 24 /अ-20(1) / वर्ष 2023-24
ई/सी 202406103800048

आवेदक अशोक कुमार जोशी आ. स्व. गोपी कृष्ण जोशी निवासी आमदी नगर हुड़को भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित खसरा नं. 1/2, 2/2 का टु. भूखंड नं. एम.आई.जी. 1/511 क्षेत्रफल 150 वर्गमीटर भूमि आवेदक के पिता स्व. गोपी कृष्ण जोशी आ. स्व. रामचंद्र जोशी को भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई द्वारा आबंटित किया गया है। आबंटिती गोपी कृष्ण जोशी की मृत्यु दिनांक 10.11.2000 को हो चुकी है। आबंटिती के मृत्यु उपरान्त भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई द्वारा उक्त भूखण्ड का नामान्तरण आबंटिती की पत्नि श्रीमती कमला देवी जोशी के पक्ष में किया गया। श्रीमती कमला देवी जोशी की मृत्यु दिनांक 15.12.2017 को हो चुकी है तथा उन्होंने अपने जीवनकाल में उक्त भूखण्ड अपंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 16.04.2012 को आवेदक के पक्ष में किया है। आवेदक द्वारा उक्त वसीयतनामा के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड का नामान्तरण करते हुए नवनी पट्टा स्वयं के नाम पर जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि

पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग

मुहर

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क. / 18 /अ-20(3)/वर्ष 2023-24

आवेदक नरेन्द्र हरि नारायण आ. एन. अप्पा राव निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का दु. प्लाट नं. एम. आई.जी.-1/765 रकबा 150 वर्गमीटर भूमि धारकगण नरेन्द्र हरि नारायण, महादेवी वरलक्ष्मी, इटला रमा देवी आ.स्व. एन. अप्पाराव निवासी आमदी नगर हुडको मिलाई के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। सहधारकगण महादेवी वरलक्ष्मी, इटला रमा देवी आ.स्व. एन. अप्पाराव द्वारा उक्त भूखंड का टु. 100 वर्गमीटर भूखण्ड आवेदक नरेन्द्र हरि नारायण के पक्ष में पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 18.03.2024 को निष्पादित की है। आवेदक द्वारा पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से सहधारक / हक त्यागकर्ता का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में यथावत रखे जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202406101500080

// ईश्तहार//

विषय:- अ-5, मामले की श्रेणी- राजस्व
सन:-2023-2024
सावनी (प ह न. (00017).

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- नरेन्द्र कुमार,
अनावेदक पक्षकार- छ.ग..

एतद द्वारा सर्व साधारण सावनी प.ह.नं. 17 तहसील पाटन जित्ता दुर्गा के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक नरेन्द्र कुमार पिता रामगुलाल उम्र 43 वर्ष निवासी प्राम सावनी तह पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा आवेदक के नाम पर ग्राम सावनी प.ह.नं. 17 रा.नि.मं. जामगांव एम में स्थित कृषि भूमि स्थित है जिसका नया ख.न. 122/2, 122/1 रकबा 0.18, 0.27 हे. दर्ज है। उक्त वर्णित भूमि बंदोबस्त पूर्व ख.न. 139 रकबा 1.44 एकड़ दर्ज था जिसे आवेदक के दादा सुबेदास आ सखाराम के द्वारा वर्ष 1965 में लाला आ. बिरसिंह से क्रय किया है। जिसका बंदोबस्त पश्चात् नया ख.नं. 122/2, 122/1 रकबा 0.18, 0.27 हे. दर्ज जिसमे से बंदोबस्त पूर्व रकबा 0.576 (1.44 एकड़) में से रकबा में 0.126 है. की कमी कर बदोबस्त के दौरान त्रुटि हुई है। आवेदक की उक्त भूमि पैतृक भूमि है जिसे आवेदक के दादा द्वारा पूर्व में क्रय की गई थी तथा बंदोबस्त के दौरान रकबे में की गई 0.126 हे. भूमि की कमी को सुधार किये जाने हेतु । आवेददन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण पंजीबद्ध हो। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार बंदोबस्त त्रुटि सुधार कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो लिखित आपति प्रकरण में सुनवाई तिथि 11.07.2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/06/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

//आम सूचना//

राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग रायपुर, छत्तीसगढ़ के आदेश के अनुपालन में सुलभ प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्यादित मरोंदा टेंक, वार्ड 61 भिलाई, पंजीयन क्रमांक-2787, विकासखण्ड-दुर्ग, जिला-दुर्ग के मंडल (बोर्ड) के निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती शोभा गुप्ता द्वारा दिनांक 28/06/2024 को जारी कर दिया गया है। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 06/07/2024 को नामांकन पत्र प्रस्तुत करना, दिनांक 07/07/2024 नामांकन पत्रों की जांच की जावेगी, दिनांक 08/07/2024 को नाम वापसी, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्ह आबंटन किया जावेगा। निर्वाचन (मतदान) दिनांक 14/07/2024, समयः पूर्वान्ह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक स्थान संस्था कार्यालय सुलभ प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्यादित मरोंदा टेंक, वार्ड 61 भिलाई, पंजीयन क्रमांक-2787, विकासखण्ड-दुर्ग, जिला-दुर्ग में कराया जायेगा। मतदान के आधे घंटे के पश्चात् मतगणना प्रारंभ किया जावेगा। तदोपरांत परिणाम की घोषणा की जावेगी।

(श्रीमती शोभा गुप्ता)
रिटर्निंग अधिकारी
सुलभ प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्यादित मरोंदा टेंक, वार्ड 61 भिलाई, पंजीयन क्रमांक-2787, विकासखण्ड-दुर्ग, जिला-दुर्ग

// नाम परिवर्तन //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भिलाई इस्पात संयंत्र में ओ.सी.टी. के पद पर कार्यरत हूं जिसके दस्तावेजों में मेरा नाम अंजली सोनकर पिता श्री रमेश कुमार सोनकर दर्ज है मेरा पर्सनल नं.406948 है। मेरे विवाह पूर्व मेरा नाम अंजली सोनकर (ANJALI SONKAR) पिता श्री रमेश कुमार सोनकर था, मेरा विवाह दिनांक 23.11.2023 को श्री श्रीकांत राजपूत पिता श्री परमेश्वर सिंह राजपूत के साथ हुआ है। मेरे विवाह पश्चात मेरा नाम श्रीमती अंजली राजपूत (ANJALI RAJPUT) पति श्री श्रीकांत राजपूत हो गया है और मुझे अब इसी नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाता है । श्रीमती अंजली राजपूत (ANJALI RAJPUT) एवं अंजली सोनकर (ANJALI SONKAR) दोनो ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है परन्तु में अपने भविष्य के समस्त शासकीय, अशासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों एवं प्रमाण पत्रों में अपना नाम श्रीमती अंजली राजपूत (ANJALI RAJPUT) पति श्री श्रीकांत राजपूत, कराना चाहती हूं जिसके लिए छ.ग. के राजपत्र में प्रकाशन कराना चाहती हूं । अतः आज दिनांक के पश्चात से मुझे श्रीमती अंजली राजपूत (ANJALI RAJPUT) पति श्री श्रीकांत राजपूत के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जावे जिसके आधार पर मैं अपने समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अशासकीय दस्तावेजों में अपना नाम सुधरवा सकूं।

श्रीमती अंजली राजपूत

संक्षिप्त-खबर

जीतेश वर्मा ने पेश किया मानवता की मिशाल

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज पाटन राज कार्यकारिणी सदस्य जनपद पंचायत पाटन में बाबू के पद में पदस्थ जीतेश वर्मा ने लोहरसी निवासी मदनलाल साहू उम्र 80 साल भटकर पाटन में जनपद के रात्रि में बैठा था समय ज्यादा होते देख जीतेश वर्मा ने बुजुर्ग के खाने व सोने का प्रबंध किया और सुबह 108 एंबुलेंश का प्रबंध कर स्वास्थ्य जांच के लिए शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया।

एससी,एस टी,ओबीसी एवं धार्मिक अल्प संख्यक वर्ग के प्रतिनिधि मण्डल ने विभागीय मंत्रियों से मिले

बसना (समय दर्शन)। एससी,एसटी,ओबीसी एवं धार्मिक अल्प संख्यक वर्ग के अधिकारी कर्मचारीयों का संगठन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी एवं प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रतिनिधि मंडल के साथ दिनांक 27जून गुरूवार को मंत्रालय महानदी भवन रायपुर पहुँचकर छत्तीसगढ़ शासन के एससी,एसटी,ओबीसी एवं धार्मिक अल्प संख्यक मंत्री रामविचार नेताम तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल से मिलकर पदोन्नति में आरक्षण का लाभ दिलाने का निवेदन किया । जिस पर मंत्री महोदय ने सहृदयता पूर्वक संज्ञान में लेकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिये। उक्त बैठक आयोजित करने में मुख्य भूमिका पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा के नवीन मार्कंडेय एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा के विकास मरकाम के नेतृत्व में किया गया । प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश अध्यक्ष प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज राजेन्द्र प्रसाद भतपहरी, प्रदेश संरक्षक विनोद भारती, अवर सचिव डी एल भारती , उपायुक्त चंद्रवंशी, सहायक आयुक्त अनिल कुमार बनज, एडिशनल डायरेक्टर ए के बंजारा , संदीप पैकरा ,मनहरन चंद्रवंशी,अनुभाग अधिकारी कैलाश नेताम एवं संगठन के अनेक अधिकारी साथ में उपस्थित थे ।

कलेक्टोरेट दुर्ग में पदस्थ 4 महिला कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

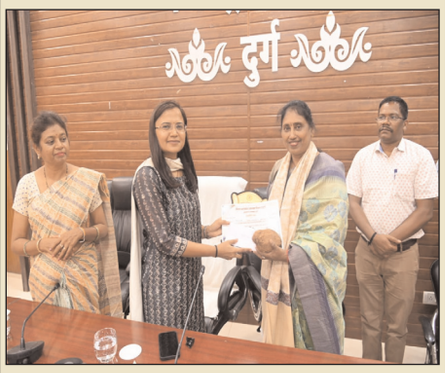

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिला कलेक्टोरेट कार्यालय में पदस्थ 04 महिला कर्मचारी आज अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बिदाई समारोह में कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने सेवानिवृत्त महिला कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ग्रेच्युटी एवं पेंशन स्वीकृति का आदेश भी प्रदान किया। सेवानिवृत्त महिला कर्मचारियों में श्रीमती सरोज चन्द्राकर स्टेनो ग्राफर वर्ग-2 कुल सेवा अवधि 41 वर्ष, श्रीमती शशिकला चौरे सहायक ग्रेड-2 कुल सेवा अवधि 40 वर्ष, श्रीमती युगल वर्मा सहायक ग्रेड-2 कुल सेवा अवधि 34 वर्ष और श्रीमती विजयालक्ष्मी सहायक ग्रेड-2 कुल सेवा अवधि 34 वर्ष शामिल है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपने को सेवानिवृत्त कर्मचारी न समझे, आपके अनुभवों का लाभ आगे भी मिलता रहेगा। बिदाई समारोह में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती लता युगल उर्वशा, वरिष्ठ लिपिक श्री नरसिंग पटेल ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यों के संबंध में विचार व्यक्त किये। उल्लेखनीय है कि उक्त महिला कर्मचारियों ने कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओं में निर्बाध रूप से अपनी सेवाएं देते हुए अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुई है। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन श्री आलोक नारंग तथा आभार प्रदर्शन संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी ने किया।

पिथौरा से लगे बार क्षेत्र में हाथी का उत्पात

पिथौरा(समय दर्शन)। बसना विधानसभा के पिथौरा क्षेत्र की सीमा से लगे बार क्षेत्र में इन दिनों अनेक जगह वन्य प्राणियों की रिहाईसी इलाके मे धमक से लोग खौफजदा है।

वैसे विगत वर्ष महासमुन्द जिले के कुकराडीह,तेन्दुवाही, कुशगढ आदि अनेक जगहों मे हाथियों से जन हानी हुई है।

इस बार पुन: इन क्षेत्रों में दंतैल के आ धमकने से लोगों को अपना खेती बाडी का सारा काम छोडकर घरों में दुबका पड रहा है । वैसे वन विभाग का अमला सतत निगरानी कर रही है।

पिथौरा क्षेत्र से सटे व समीप के बार अभ्यारण्य के ग्राम रामपुर के एक घर को बीती रात हाथी ने तोड़ दिया है। जनहानि की खबर नहीं है। ज्ञात हो कि बारनवापारा अभ्यारण्य के ग्राम रामपुर को 7 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर भगत देवरी के समीप श्रीरामपुर के नाम से विस्थापित किया गया था। जहां के सैकड़ा घर से अधिक परिवारों को पक्के मकान के साथ कृषि योग्य भूमि एवं नगद राशि दी गयी थी। परन्तु रामपुर के सात परिवारों ने श्रीरामपुर में शासन से जमीन और पक्के मकान तो ले लिए परन्तु वे रामपुर से श्रीरामपुर गए नहीं थे। कल रात इसी रामपुर की ओर एक विशालकाय दंतैल के बढ़ने की खबर अलर्ट के लिए जारी की गई थी। मिली जानकारी के अनुसार बीते देर रात एक हाथी ने रामपुर निवासी राजकुमार दीवान के घर को तहस-नहस कर डाला। घटना की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है।

वही दूसरी ओर अभ्यारण्य अधीक्षक आनन्द कुदरिया ने मीडिया को बताया कि क्षेत्र में तीन हाथी अकेले अकेले घूम रहे हैं, जिसका अलर्ट भी लगातार जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चूंकि रामपुर ग्राम का विस्थापन हो चुका है प्रभावितों को घर एवं खेत सहित नगद राशि दी जा चुकी है लिहाजा इस मामले में मुआवजा प्रकरण नहीं बन सकता।

बच्चे शिक्षित होंगे तो हमारा प्रदेश व देश सामर्थ्यवान बनेगा: डॉ.संपत अग्रवाल

- रसोड़ा में विकासखंड स्तरीय प्रवेशोत्सव का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के संकुल केन्द्र रसोड़ा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक शाला दुरूगपाली, मे प्रवेश उत्सव मनाया गया।

इसअवसर पर बसना विधायक डा सम्पत अग्रवाल के साथ जनपद पंचायत बसना अध्यक्ष रुकमणी पटेल, मण्डल महामंत्री अभिमन्यु जायसवाल, जनपद पंचायत बसना विधायक प्रतिनिधि अरविंद मिश्रा, प्रकाश सिन्हा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष संजय भोई, मोहित पटेल, त्रिलोचन नायक, किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष सुनील प्रधान, सरपंच तौसीफ प्रधान, सुरेश प्रधान आदि मंचासीन थे।

संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन गुरुवार को संकुल केंद्र रसोड़ा स्थित शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला दुरुगपाली विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल थे।

अतिथियों सहित अधिकारियों ने नवप्रवेशी छात्रों को तिलक लगाकर, फुलमाला पहनाकर, पाठ्य पुस्तक, - गणवेश वितरण कर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस दौरान बसना विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने पूर्व माध्यमिक शाला के नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का फीता काटकर

लोकार्पण तथा स्कूल जाबो गीत का विमोचन किया। विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने बच्चों को लक्ष्य, एकता में बल व अनुशासन पर अनेक संदेश - दिये। उन्होंने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव से बच्चों के मन में उत्साह का संचार होता है। बच्चों का उज्ज्वल भविष्य ही मेरे जीवन का परम ध्येय है। हमारे बच्चे शिक्षित होंगे तो हमारा क्या प्रदेश व देश सामर्थ्यवान बनेगा।कार्यक्रम में विशेष रूप से विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया ,विकास खण्ड श्रोत समन्वयक ललित देवता एवम अतिरिक्त विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला ,बद्री विशाल जोल्हे ,लोकेश्वर सिंह कंवर ,संकुल प्रभारी आनंद दास एवम बसना ब्लॉक के सभी समन्वयक पूर्णानंद मिश्रा ,अनिल सिंह साव,रोहित पटेल,आरिफबेग ,सुरेश नंद ,पुरन्दर बंछोर,लोकनाथ खूंटे, सुरेश प्रधान गोवर्धन डड़सेना विद्याधर साव ,वारिश कुमार,राजेश कुमार साहू ,गोसाई राम खूंटे अरुण प्रधान ,भूपेश पाढ़ी,इंदल पटेल लक्मन पटेल ,संतलाल साहू संतराम बंजारा एवम प्राथमिक एवम उच्च प्राथमिक शाला दुरुगपाली के समस्त स्कूल स्टाफ और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

विकासखण्ड स्तरीय एफएल एन ट्रेनिंग का गरिमामय समापन

बसना(समय दर्शन)। विकास खंड बसना में विकास खंड स्तरीय एफएल एन ट्रेनिंग का समापन गरिमामय ढंग से हुआ ।

इस प्रशिक्षण मे विकासखण्ड के सहायक शिक्षक व प्रधान पाठक दक्ष हुए । ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य निपुण भारत मिशन के लक्ष्य मे लगभग 5 करोड़ बच्चे बुनियादी शिक्षा से छूट गए है, जिन्हे आस मिशन से जोबकर पुन:प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना है। राष्टीय नई शिक्षा नीति 2020 का भी यही उद्देश्य है। यह लक्ष्य को 2026 तक अनिवार्य रूप से हासिल करना है । गढफुलझर जोन के मास्टर ट्रेनर शरण कुमार दास ,अमित कुमार भोई , प्रफुल कुमार साव रहे । यह ट्रेनिंग अविस्मरणीय रहा है । तीनो बेच टेमरी जोन में वारिश कुमार,शिव कुमार साहू ,प्रकाश सिदार (डीआरजी) विकास खंड के जमदरहा जोन के (डीआरजी) डीजेन्द कुर्रे , सालिक राम टंडन ,त्रिलोचन पटेल रहे । ट्रेनिंग के समापन अवसर पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया ,ललित देवता बीआरसीसी ,सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,लोकेश्वर सिंह कंवर , विनोद कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग सम्पन्न हुआ ।प्राथमिक शाला बंसूला के प्रधान पाठक प्रवीरकुमार बेहरा ने यह जानकारी प्रधान की।

गेल (इंडिया) लिमिटेड से दुर्ग जिले के अन्नदाता परेशान

- किसानो के खेतो में लगी फसल पर फिर चलाया जे.सी.बी.

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के अन्नदाता इन दिनों गेल (इंडिया) की गैस पाइपलाइन परियोजना से बेहद परेशान है द्य मानसून आते ही खेती का दौर शुरू हो गया है पर दुर्ग जिले के किसान खेती नहीं कर पा रहे है उसकी वजह है गेल (इंडिया) की गैस पाइपलाइन परियोजना जिसका किसान पिछले एक साल से किसान विरोध कर रहे है।

पुलिस के संरक्षण में खेतों में चला दी जेसीबी- किसान रघुवर प्रसाद साहू ने दिनांक 27 जून 2024 को दुर्ग जिले के ग्राम ढौर में गेल (इंडिया) के 15-20 कर्मचारी पुलिस लेकर आए और गेल (इंडिया) के अधिकारीयो ने 5 किसानों के खेतों में जे.सी.बी. चलाकर फसल बर्बाद कर दी द्य उक्त कार्यवाही से ग्राम ढौर के किसान काफी नाराज है द्य पिछले 2 साल से गैस पाइपलाइन परियोजना के चलते हम खेती किसानी नहीं कर पा रहे है द्य इस साल फसल की बोआई किए 1 हफ्ता हुआ था कि गेल (इंडिया) ने मेरे खेत में लगी फसल पर बुलडोजर चला कर फसल बर्बाद कर दी द्य जिससे हम किसानों को काफी आर्थिक नुक़सान हुआ है ।

खेती करने लिया कर्जा, अब पटाऊँगा कैसे ?- ग्राम ढौर के किसान ओमप्रकाश साहू ने बताया कि मैंने इस साल खेती करने के लिए सोसाइटी से कर्जा लिया है और अब गेल (इंडिया) वाले पाइपलाइन डालने आ गए द्य हमारे खेतो में होने वाले नुकसान का पंचनामा गलत तरीके से बनाया गया है जिसका हमने विरोध किया था पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है द्य

पूर्व ने निर्धारित मुआवजा सविधिवत न होने की वजह से शून्य कर दिया गया -

योगेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि गेल (इंडिया) द्वारा दिनांक 06 दिसम्बर 2023 को दुर्ग सर्किट हाउस में प्रभावित किसानो की बैठक बुलाई गई थी जिसमे 21 गाँव मेसे कुछ गिने चुने गाँव के प्रभावित किसान को बुलाया गया था द्य उक्त मीटिंग में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग द्वारा मुआवजा सविधिवत नहीं होने से शून्य घोषित होने की जानकारी देते हुए कहा था कि सिविल न्यायलय से भुगतान के संबंध में निर्देश मिलने पर निर्णय लिया जायेगा लेकिन आज दिनांक तक मुआवजे के संबंध में किसानो कोई सूचना नहीं दी गई और न ही उसका प्रकाशन किया गया द्य किसानो को अंधेरे में रख कर गैस पाइपलाइन डाली जा रही है द्य इस तरह भाजपा सरकार द्वारा किसानो के खेतो में जे.सी.बी. चलाना सरकार की किसान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

ज्ञात हो कि पिछले एक साल से प्रभावित किसान लगातार आंदोलन कर रहे है पर जिला प्रशासन और गेल (इंडिया) कोई संज्ञान नहीं ले रहे है द्य दुर्ग संभाग उपायुक्त ने 05 मार्च 2024 को ज्ञापन लेते हुए कहा थी कि जल्द जाँच करवाएंगे और किसानो की एक सैयुक्त बैठक बुलाई जाएगी लेकिन आज दिनांक तक न कोई जाँच हुई और न ही कोई बैठक बुलाई गई द्य जिला प्रशासन और गेल (इंडिया) किसानो से धोखा धडी कर रहे है।

किसान नेता रविप्रकाश ताम्रकार ने बताया कि गेल (इंडिया) द्वारा पाइपलाइन अधिनियम 1962 का उल्लंघन कर पाइपलाइन बिछा रहे है द्य किसानो की आय दो गुना करने का वादा करने वाली सरकार किसानो के खेतो को बर्बाद कर रहे है द्य दुर्ग के 10 गाँव में गैस पाइपलाइन डाल दी गई परन्तु आज दिनांक तक अधिकतर किसानो को मुआवजा का भुगतान नहीं हुआ है द्य किसान अपना पैसा लगा कर खेत को समतल कर रहे है जब की यह काम गेल (इंडिया) को करना था।

आज कलेक्टर महोदया को ज्ञापन दिया गया है और अब हम 21 गाँव के समस्त प्रभावित किसान एक बड़ा आंदोलन जिला मुख्यालय में करेंगे।

छात्रावास बनकर तैयार, पानी की सुविधा नहीं होने के कारण बच्चो को नही मिल रहा लाभ

एसडीएम सीएमओ ने किया निरीक्षण

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत के सामने आदिवासी बालिका छात्रावास बनकर तैयार है। इसका लोकार्पण भी हो गया है। लेकिन पानी की सुविधा नही होने के कारण इसका लाभ बच्चो को नही मिल पा रहा है। आज एसडीएम पाटन दीपक कुमार निकुंज, सीएमओ सौरभ बाजपेई ने निरीक्षण किया। पूरा। छात्रवास का निरीक्षण किया। नगर पंचायत पाटन के द्वारा जनपद पंचायत पाटन के सामने छात्रावास का निर्माण कराया गया है। छात्रावास का निर्माण पूरी हो चुकी है और इसका लोकार्पण भी हो चुका है लेकिन इसका लाभ अभी बच्चों को नहीं मिल रहा है। छात्रावास को अभी शिफ्ट नहीं किया गया है। आज इसी का निरीक्षण करने एसडीएम पाटन दीपक कुमार निकुंज तथा नगर पंचायत पाटन के सीएमओ सौरभ बाजपेई के साथ निरीक्षण किया ।इस दौरान यहां पर पानी की समस्या सामने आई । पानी का उपलब्धता नहीं होने के कारण छात्रावास भवन में अभी बच्चों को शिफ्ट नहीं किया जा सका ।पानी का प्रबंध करने के लिए नगर पंचायत प्रशासन के द्वारा प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद एसडीएम पाटन ने पास के ही पार्क कभी निरीक्षण किया। साथ ही साथ नगर पंचायत के आत्मानंद चौक के आसपास सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील किया है कि नगर को साफसुथरा बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें जिससे कि नगर की सुंदरता बनी रहे इस अवसर पर नगर पंचायत के उपयंत्री थानेश्वर वर्मा, जयंत शर्मा सहित कर्मचारी का मौजूद रहे।

मिलपारा में बनेगा सार्वजनिक सुलभ, प्रा. स्कूल का भी होगा उन्नयन

- ई-रिक्शा से मिलपारा पहुँचे विधायक गजेंद्र, नागरिकों से मिलकर समस्या से अवगत होकर निराकरण करने दिए निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर विधायक के पहल से मिलपारा में एक बढ़िया सार्वजनिक सुलभ बनेगा जिससे नागरिकों और व्यापारियों की बहुप्रतिक्षित मांग पूरी होगी। यहां के जर्जर हो चुके प्राथमिक स्कूल का उन्नयन भी होगा। मिलपारा पहुँचे विधायक गजेंद्र यादव ने नागरिकों से मिलकर समस्याओं को जाने और निरकारण करने निर्देश दिए। उन्होंने कहा की नागरिक सुविधाओ का विस्तार किया जा रहा है। दुर्ग निगम क्षेत्र में सड़क, नाली, पेयजल व्यवस्था को और बेहतर बनाने प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

आज मिलपारा के नागरिक विधायक गजेंद्र यादव से मिलकर अपने वार्ड की समस्याओं की जानकारी दिए इस पर विधायक स्वंय उनके साथ आए हुए ई-रिक्शा पर बैठे और उनके क्षेत्र पहुंचे। बिल्कुल देशी अंदाज में जनता के बीच पहुँचे विधायक श्री यादव ने रीमझिम बारिश के दौरान टिन शेड में खड़े रहकर उनसे बातचीत किये। बारिश थमने के बाद विधायक के साथ घूमते हुए नागरिकों ने बताया की यहां सार्वजानिक सुलभ का भवन जर्जर होने बाद धाराशाही हो गया। सालों से सुलभ बनाने क्षेत्र के नागरिक मांग कर रहे है कई बार आवेदन दे

चुके है लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। विधायक महोदय ने सुलभ की समस्या का निराकरण करने निगम इंजिनियर को मौके पर बुलाकर शीघ्र ही सुलभ बनाने प्रस्ताव तैयार करने निर्देश दिए ताकि यहां के नागरिकों को परेशानी न हो। यहां पर लगा हुआ मार्केट भी इसलिए लोगों का आना जाना लगा रहता है, मार्केट के व्यापारी भी सुलभ के लिए लंबे समय से मांग कर रहे थे, अब उनकी मांग पूरी हो जाएगी। इसके लिए नागरिकों ने विधायक का आभार भी जताया। निगम के इंजिनियर करण यदु ने बताया की लगभग 30 लाख की लागत से बनने वाले सुलभ सर्वसुविधायुक्त होगा। विकलांग के लिए रैंप बनेगा। आगामी चार महीने सुलभ का कार्य पूर्ण हो जाएगा।

प्रा. स्कूल का बनेगा बिल्डिंग - विधायक संग चर्चा करते हुए मिलपारा के निवासियों ने बताया की यहां पर लाल बहादुर शास्त्री प्राथमिक स्कूल था, बिल्डिंग जर्जर होने के बाद स्कूल बंद हो गया है अब यहां के बच्चे मेन रोड पार कर अन्य स्कूल में पढ़ने जाते है जिससे पलकों के मन में हमेशा डर बना रहता है। नागरिकों की मांग पर विधायक गजेंद्र ने शिक्षा के उच्चअधिकारीयों से चर्चा कर स्कूल की बिल्डिंग बनाने अग्रिम कार्यवाही करने निर्देश दिए ताकि प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले छोटे छोटे बच्चों को पढ़ाई के लिए ज्यादा दूर नहीं जाना पड़े उनकी शिक्षा में किसी बाधा न आए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26